मिटी चीफ

वर्ष-17, अंक-206 पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

दीपावली की हार्दिक शुभकामनएं

सम्पूर्ण भारत में चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार 08 नवंबर 2026

हर केस में हाथ नहीं डाल सकती है ईडीः कर्नाटक हाईकोर्ट

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने शनिवार को कहा कि ईडी कोई 'सुपर कॉप' नहीं है, जो उसके संज्ञान में आने वाली हर चीज की जांच शुरू कर दे। एजेंसी को कानून के दायरे में रहकर ही काम करना होगा। कोर्ट ने यह टिप्पणी कांग्रेस नेता केवाई नंजे गौड़ा से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की और ईडी की कार्रवाई रद्द कर दी। ईडी भूमि आवंटन घोटाले में गौड़ा की जांच कर रही थी।

इंडिगो फ्लाइट को हाईजैक की धमकी, वापस लौटा

बेंगलुरु। बेंगलुरु से लखनऊ जा रही इंडिगो फ्लाइट 6 ई-451 को शनिवार को हाईजैक की धमकी मिली। क्रू मेंबर्स ने फ्लाइट के टॉयलेट में धमकी वाला नोट देखा। जिसके बाद पायलट विमान को वापस बेंगलुरु ले आया। बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर फुल इमरजेंसी घोषित की गई।

कल अवकाश

दीपावली की सभी पाठकों को हार्दिक शुभकामनाएं। कल अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक मंगलवार को प्रकाशित होगा।

-

महालक्ष्मी की अगवानी के लिए सजे घर-द्वार



इंदौर की सोसायटी में रहने वाली महिलाओं ने इस तरह प्रवेश द्वार पर रंगोली सजाई।

विदेश में बैठकर पंजाब में फिरौती आतंक मचाने वाले अपराधी को भारत लाए

अमृतसर। लारेंस गैंग के हैरी बॉक्सर की अमेरिका में गिरफ्तारी के बाद पंजाब में टारगेट कीलिंग के साथ फिरौती और फायरिंग के बड़े अपराधी गुरविंदर उर्फ अफरीदी को इथियोपिया से डिपोर्ट कर भारत लाया गया। पंजाब पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के सहयोग से 10 महीने तक चले अंतरराष्ट्रीय अभियान के बाद उसे भारत वापस लाने में सफलता हासिल की। गुरुविंदर विदेश में बैठकर पंजाब में टारगेट किलिंग, फिरौती के लिए फायरिंग और अन्य संगठित आपराधिक गतिविधियों को अपनी गैंग से संचालित कर अंजाम दिलवा रहा था। पंजाब सरकार ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए मदद करने वाले या सूचना देने वाले के लिए पांच लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया था। करीब 10 महीने तक चली अंतरराष्ट्रीय तलाश के बाद उसके इथियोपिया में होने की जानकारी के बाद डिपोर्ट कराया गया।

नेतन्याहू के गठबंधन में ही दरार पड़ी...53 में से 47 सांसदों ने ही समर्थन की हामी भरी...

इजराइल में नेतन्याहू युग खत्म... आईजनकोट को न्योता

तेल अवीव। इजरायल में बरसों सत्ता में रहे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का युग खत्म हो गया है। विपक्षी नेता पूर्व सैन्य प्रमुख गादी आइजेनकोट को राष्ट्रपति इसाक हर्जोग द्वारा औपचारिक रूप से सरकार बनाने का न्योता दिया। इसके बाद आइजेनकोट को अपना दावा साबित करने सरकार बनाने के लिए 28 दिन मिलेंगे। जरूरत पड़ने पर राष्ट्रपति उन्हें 14 दिन का अतिरिक्त समय भी दे सकते हैं।



चुनाव में नेतन्याहू का गठबंधन सबसे बड़ा दल बनकर उभरा था, लेकिन उनके गठबंधन में ही दरार के चलते आईजनकोट को सरकार बनाने का न्योता दिया गया। हालांकि इजराइल में किसी भी गठबंधन के पास जरूरी 61 सीटों का स्पष्ट बहुमत नहीं है। राष्ट्रपति इसाक हर्जोग ने फैसला लेने से पहले सभी चुनी हुई पार्टियों से बातचीत की इस बातचीत में आईजोनकोट को नेतन्याहू के बदले ज्यादा समर्थन मिला। बताया ने प्रधानमंत्री पद के लिए आईजनकोट की सिफारिश की, जबकि नेतन्याहू को अपने गंठबंधन के 53 सांसदों से 46 सांसदों का ही समर्थन मिला।

मप्र में फर्जी पासपोर्ट बनाने वाले रैकेट का भंडाफोड़

भोपाल। मध्य प्रदेश में बांग्लादेशी नागरिकों को फर्जी तरीके से भारतीय पहचान दिलाकर पासपोर्ट बनवाने वाले एक बड़े रैकेट का भंडफोड़ हुआ है। एसटीएफ की जांच के आधार पर पासपोर्ट विभाग ने 70 संदिग्ध पासपोर्ट में से 31 को निरस्त कर दिया है। इनमें 17 पासपोर्ट ग्वालियर जिले के डबरा से जारी किए गए थे। इन सभी पासपोर्ट में डबरा के सिमरिया स्थित बौद्ध विहार का पता दर्ज था। जांच में एक ही गवाह और एक ही मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किए जाने का खुलासा हुआ है। इस नेटवर्क के मास्टरमाइंड रियाल चौधरी उर्फ नित्यानंद बांग्लादेशी साथियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

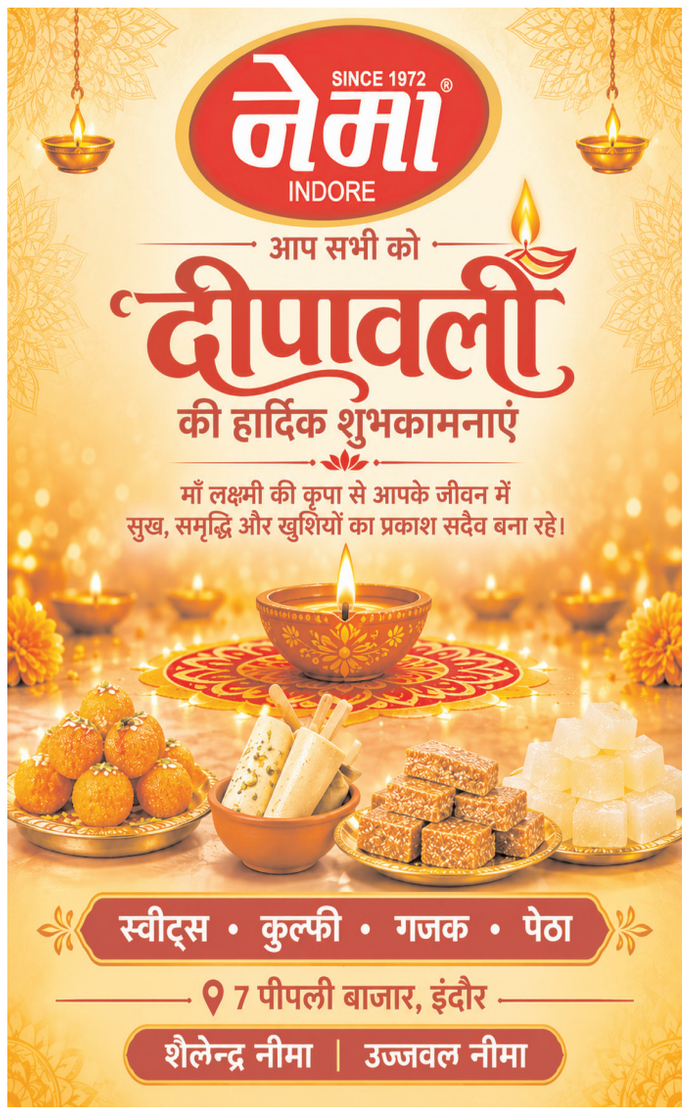
ओडिशा में 39 दिनों से हड़ताल पर 15 हजार कर्मचारी

कफन ओढ़कर ठेका बिजली कर्मियों का प्रदर्शन

नई दिल्लीओडिशा विद्युत ठेका कर्मचारी मिलिता मंच के बैनर तले विरोध प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने अपनी मांगों की ओर सरकार का ध्यान खींचने के लिए खुद पर कफन ओढ़कर एक अनोखा और सांकेतिक प्रदर्शन किया।कर्मचारी अपनी नौकरी की सुरक्षा, टेंडर व्यवस्था के नाम पर की जाने वाली छंटनी पर रोक और पूर्व में बर्खास्त किए गए सहकर्मियों की तत्काल बहाली की मांग कर रहे हैं। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे 'ओडिशा विद्युत ठेका कर्मचारी मिलिता मंच' के अध्यक्ष दिलीप कुमार साहू ने बताया कि उनकी हड़ताल को 38 दिन बीत चुके हैं, लेकिन शासन और प्रशासन की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं की गई है। कर्मचारी एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बताया कि हमारी हड़ताल का आज 38वां दिन है, लेकिन कोई हमारी सुध नहीं ले रहा। मजबूरी में हमें रोज नए तरीकों से अपना विरोध दर्ज कराना पड़ रहा है। हम पिछले 5 दिनों से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। इसके बावजूद सरकार जब हमारी बात नहीं सुन रही है,











दीपावली पर रोशनी से जगमगाएगा इंदौर, महालक्ष्मी मंदिरों में उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़



इंदौर, रोशनी और उल्लास के पर्व दीपावली को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है। पिछले तीन-चार दिनों से बाजारों में खरीदारी की रौनक बनी हुई है और अब शहरवासी पर्व मनाने की अंतिम तैयारियों में जुट गए हैं। दीपावली पर घरों को आकर्षक विद्युत सज्जा, दीपों और रंगोली से सजाकर भगवान श्रीराम के अयोध्या आगमन की खुशियां मनाई जाएंगी। घरों में विधि-विधान से मां महालक्ष्मी और भगवान गणेश का पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की जाएगी। इस बार तिथियों के संयोग के चलते दीपावली स्वाति नक्षत्र में मनाई जाएगी। रविवार सुबह 11.28 बजे तक चतुर्दशी रहेगी, इसके बाद कार्तिक अमावस्या प्रारंभ होगी। सुबह रूप चौदस भी मनाई जाएगी। अमावस्या तिथि दो दिन रहने से इस बार पर्व का उत्सव छह दिनों तक चलेगा।

दीपावली पर शहर के प्रमुख महालक्ष्मी मंदिरों में विशेष सजावट, पूजन और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित होंगे। राजवाड़ा स्थित होलकरकालीन महालक्ष्मी मंदिर में रविवार और सोमवार सुबह से ही दर्शनार्थियों की कतारें लगने की संभावना है। उषा नगर, मल्हारगंज और हरसिद्धि क्षेत्र के महालक्ष्मी मंदिरों में भी विशेष आयोजन किए जाएंगे। वहीं, अन्नपूर्णा मंदिर में रविवार को एक हजार दीप प्रज्ज्वलित कर दीपोत्सव मनाया जाएगा। मंदिर को दस लाख रुपये के नए नोटों से दूसरी ओर, दीपावली के अगले दिन शहर में सफाई व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर निगम ने व्यापक इंतजाम किए हैं। सोमवार तड़के साढ़े तीन बजे से करीब आठ हजार सफाईकर्मी मैदान में उतरेंगे और प्रमुख मार्गों, बाजारों तथा गलियों में पटाखों से फैले कचरे को हटाने के लिए विशेष अभियान चलाएंगे, ताकि सुबह शहरवासियों को स्वच्छ सड़कें मिल सकें।

मालवा-निमाड़ में सौर ऊर्जा का बढ़ता दायरा, 97,500 परिसरों में होने लगा बिजली उत्पादन



इंदौर। मालवा-निमाड़ अंचल में सौर ऊर्जा के उपयोग को लेकर लोगों की रुचि लगातार बढ़ रही है। अब घरों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और अन्य परिसरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर बिजली तैयार की जा रही है। विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभाव से क्षेत्र में सौर ऊर्जा उत्पादन करने वाले परिसरों की संख्या बढ़कर 97,500 के पार पहुंच गई है। इनसे कुल 550 मेगावाट से अधिक बिजली उत्पादन की क्षमता विकसित हो चुकी है। इस मामले में इंदौर जिला सबसे आगे है, जहां 42,500 परिसरों में सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। बिजली वितरण कंपनी के आंकड़ों के मुताबिक, मौजूदा रफ्तार जारी रही तो जल्द ही यह संख्या एक लाख के पार पहुंच सकती है। इससे पारंपरिक बिजली पर निर्भरता कम करने के साथ स्वच्छ ऊर्जा को भी बढ़ावा मिल रहा है।

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अनुसार, प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत इंदौर शहर के 29,900 से अधिक उपभोक्ता जुड़ चुके हैं, जबकि पूरे जिले में लाभार्थियों की संख्या 35 हजार से अधिक है। अन्य योजनाओं को मिलाकर जिले के 42,500 परिसरों में सौर ऊर्जा का उत्पादन हो रहा है। क्षेत्र के अन्य जिलों में उज्जैन 8,900 परिसरों के साथ दूसरे, रतलाम 8,630 के साथ तीसरे, मंदसौर 5,950 के साथ चौथे और देवास 5,250 परिसरों के साथ पांचवें स्थान पर है। योजना के तहत तीन किलोवाट तक का सोलर संयंत्र लगवाने पर पात्र उपभोक्ताओं को अधिकतम 78 हजार रुपए की केंद्रीय सब्सिडी मिलती है। इसमें शुरुआती दो किलोवाट पर 30 हजार और तीसरे किलोवाट पर 18 हजार रुपए की सहायता शामिल है। यह राशि सीधे हितग्राही के बैंक खाते में भेजी जाती है।

पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के 76 हजार से अधिक उपभोक्ता प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से जुड़ चुके हैं और उन्हें अब तक 515 करोड़ रुपए से अधिक की सब्सिडी वितरित की जा चुकी है। योजना के माध्यम से पात्र परिवारों को प्रतिमाह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली का लाभ मिल सकता है, जिससे घरेलू बिजली खर्च में राहत मिलने के साथ अतिरिक्त बिजली उत्पादन की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि सोलर संयंत्रों की स्थापना के प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृति देने और सब्सिडी वितरण की निगरानी के लिए विशेष प्रकोष्ठ बनाया गया है। इसकी जिम्मेदारी अतिरिक्त मुख्य अभियंता स्तर के अधिकारियों को सौंपी गई है। वहीं, विभिन्न जिलों में अधीक्षण यंत्री योजनाओं की नियमित समीक्षा कर रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक उपभोक्ता सौर ऊर्जा से जुड़ सकें और निर्धारित प्रक्रिया में उन्हें अनावश्यक परेशानी न हो।



इंदौर चिड़ियाघर में गूंजी किलकारियां, पहली बार तेंदुए ने दिया दो शावकों को जन्म

इंदौर। शहर के चिड़ियाघर से वन्यजीव प्रेमियों के लिए खुशखबरी सामने आई है। यहां लंबे समय से एक साथ रह रहे नर और मादा तेंदुए के परिवार में दो नए सदस्यों का आगमन हुआ है। दोनों तेंदुए खुले बाड़े में रखे गए थे, लेकिन लंबे समय से उनके प्रजनन का इंतजार किया जा रहा था। कुछ दिन पहले चिड़ियाघर के चिकित्सकों को मादा तेंदुए के गर्भवती होने के संकेत मिले थे। इसके बाद शनिवार को उसने दो शावकों को जन्म दिया। चिड़ियाघर प्रभारी डॉ. उत्तम यादव के मुताबिक, दोनों नवजात शावक पूरी तरह स्वस्थ हैं। फिलहाल उन्हें मां के साथ रखा गया है और चिकित्सकों की टीम उनकी सेहत तथा गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है। इंदौर चिड़ियाघर के इतिहास में तेंदुए के शावकों का यह पहला जन्म है।

चिड़ियाघर में वन्यजीवों के अनुकूल वातावरण और बेहतर देखभाल के चलते प्रजनन की गतिविधियों में लगातार सफलता मिल रही है। यहां अधिकांश वन्यजीवों को खुले बाड़ों में रखा जाता है, जिससे उन्हें प्राकृतिक आवास जैसा माहौल मिल सके। पिछले दो वर्षों में बाघ, शेर, भालू, हिप्पोपोटेमस सहित विभिन्न प्रजातियों के 15 से अधिक नए वन्यजीवों का जन्म हो चुका है। वहीं, पिछले दस वर्षों का रिकॉर्ड भी उत्साहजनक रहा है। इस अवधि में चिड़ियाघर में 26 बाघ शावकों का जन्म हुआ, जिनमें से 22 स्वस्थ होकर बड़े हुए हैं। इसके अलावा 30 से अधिक शेर शावकों का जन्म भी यहां हो चुका है। वन्यजीवों की संख्या बढ़ने पर कुछ को एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत दूसरे चिड़ियाघरों में भी भेजा गया है।

धनतेरस पर देर रात तक गुलजार रहे इंदौर के बाजार, राजवाड़ा पर आधी रात तक रही रौनक



इंदौर। धनतेरस के अवसर पर शुक्रवार को शहर के बाजारों में खरीदारी का उत्साह देर रात तक देखने को मिला। मध्य क्षेत्र के परंपरागत बाजार रात डेढ़ बजे तक ग्राहकों से भरे रहे, जबकि सराफा, बर्तन बाजार, क्लॉथ मार्केट और राजवाड़ा की अधिकांश दुकानें रात दो बजे के बाद बंद हुईं। त्योहार के चलते बाजारों में खरीदारी करने के साथ आकर्षक सजावट देखने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। राजवाड़ा क्षेत्र में रात एक बजे तक वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं और यातायात प्रभावित होता रहा। अन्नपूर्णा, नंदानगर, सराफा और पलासिया क्षेत्र में भी देर रात तक दुकानें खुली रहीं। दशहरा मैदान के आसपास अस्थायी दुकानें लगने से वहां भी बार-बार जाम की स्थिति बनी रही।

राजवाड़ा चौक पर पूजन सामग्री की दुकानें फुटपाथों पर सजी होने से खरीदारों की भारी भीड़ जमा हो गई थी। इसके कारण चौक के आसपास वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। खजूरी बाजार से कृष्णपुरा ब्रिज की ओर जाने वाले मार्ग को ही यातायात के लिए खुला रखा गया था। व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी देर रात तक प्रमुख चौराहों और बाजारों में तैनात रहे। उन्होंने सड़कों पर बेतरतीब पार्किंग रोकने के साथ यातायात को व्यवस्थित करने का प्रयास किया। खरीदारी के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं ने राजवाड़ा स्थित प्राचीन महालक्ष्मी मंदिर और धन्वंतरि मंदिर में भी दर्शन किए। धनतेरस के विशेष अवसर पर दोनों मंदिर देर रात तक खुले रहे, जहां भक्तों की आवाजाही बनी रही।

त्योहार के दौरान बाजारों में उमड़ी भीड़ के कारण सड़कों और फुटपाथों पर बड़ी मात्रा में कचरा भी जमा हो गया था। इसे देखते हुए नगर निगम ने सफाई व्यवस्था के लिए विशेष इंतजाम किए। राजवाड़ा क्षेत्र में सड़कों की सफाई के लिए महिला सफाईकर्मियों की अलग-अलग टीमें तैनात की गई थीं। इन कर्मचारियों ने देर रात तक अभियान चलाकर दुकानों और बाजारों के आसपास फैले कचरे को एकत्रित किया तथा सड़कों से हटाया। नगर निगम की टीमें रात में ही सफाई कार्य में जुटी रहीं, ताकि अगले दिन बाजार खुलने से पहले प्रमुख मार्गों और व्यापारिक क्षेत्रों को साफ-सुथरा बनाया जा सके।

दिलजीत दोसांझ के इंदौर कॉन्सर्ट में चार गानों पर रोक, जिला प्रशासन ने आयोजकों को जारी किया पत्र



इंदौर। पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ के प्रस्तावित इंदौर लाइव कॉन्सर्ट को लेकर नया विवाद सामने आया है। मनोरंजन शुल्क को लेकर उठा विवाद शांत होने के बाद अब जिला प्रशासन ने उनके चार चर्चित गानों की प्रस्तुति पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। शहर के सी-21 मॉल में 15 नवंबर को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के संबंध में प्रशासन ने मॉल प्रबंधन को आधिकारिक पत्र जारी किया है। इसमें पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए पटियाला पैग, 5 तारा, जीभ वीच लमबिया और जट उठे फायर करदा जैसे गानों को कार्यक्रम में प्रस्तुत नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। इस निर्णय के बाद कॉन्सर्ट की तैयारियों के बीच यह मामला चर्चा का विषय बन गया है।

जिला प्रशासन की ओर से जारी पत्र में इन गानों के बोल और उनकी विषयवस्तु पर आपत्ति जताई गई है। प्रशासन का कहना है कि लाइव कॉन्सर्ट में बच्चों की मौजूदगी भी रहेगी और ऐसे गीतों के माध्यम से नशे से जुड़े उत्पादों के इस्तेमाल को प्रोत्साहन मिलने की आशंका है। इसके अलावा कुछ गीतों में हिंसा और आक्रामकता को बढ़ावा देने वाले भाव भी व्यक्त होते हैं। इसी आधार पर इनकी प्रस्तुति रोकने के निर्देश दिए गए हैं। बताया गया है कि डॉ. पंडित राव धरनेकर ने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के आदेश का उल्लेख करते हुए इंदौर जिला प्रशासन को पत्र भेजा था। उन्होंने 15 नवंबर के कार्यक्रम में संबंधित गीतों को शामिल नहीं करने की मांग की थी। इसके बाद प्रशासन ने आयोजकों को निर्देश जारी किए।

महिला एवं बाल विकास अधिकारी रजनीश सिन्हा ने भी पत्र जारी किए जाने की पुष्टि करते हुए बताया कि संबंधित गानों की विषयवस्तु बच्चों को नशे और हिंसा की ओर प्रेरित करने वाली प्रतीत होती है। प्रशासन ने हाई कोर्ट के आदेश की अवहेलना से बचने के उद्देश्य से यह कदम उठाया है। दिलजीत दोसांझ का यह कॉन्सर्ट सारेगामा एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित किया जा रहा है। गौरतलब है कि कार्यक्रम को लेकर इससे पहले मनोरंजन शुल्क की वसूली का मुद्दा भी सामने आया था, जिस पर प्रशासन और आयोजकों के बीच विवाद की स्थिति बनी थी। हालांकि, हाल ही में इस मामले का निराकरण हो गया था। अब चार गीतों की प्रस्तुति पर लगाई गई रोक ने आयोजन को एक बार फिर सुर्खियों में ला दिया है।

कैलाश विजयवर्गीय बोले- दीपावली पर जमकर फोड़ें पटाखे, तीन दिन में कोई पहाड़ नहीं टूट पड़ेगा



इंदौर, नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने दीपावली पर पटाखे फोड़ने और पर्यावरण अनुकूल त्योहार मनाने को लेकर पूछे गए सवाल पर अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा कि हिंदू त्योहारों के अवसर पर ही पटाखों और पर्यावरण को लेकर विशेष तरह का नैरेटिव खड़ा किया जाता है। दीपावली पर लोगों को पूरे उत्साह के साथ पटाखे फोड़ने चाहिए। उन्होंने कहा कि तीन दिन पटाखे चलाने से कोई पहाड़ नहीं टूट पड़ेगा। विजयवर्गीय ने कहा कि दीपावली भगवान श्रीराम के समय से मनाई जा रही है और इस पर्व को परंपरागत उल्लास के साथ मनाया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से आतिशबाजी के साथ पूजा-पाठ और भगवान की आराधना करने की अपील भी की।

मंत्री विजयवर्गीय ने अपने बयान में अन्य हिंदू त्योहारों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि दीपावली आते ही पटाखे कम चलाने की सलाह दी जाने लगती है, जबकि नागपंचमी पर नाग को दूध नहीं पिलाने की बातें कही जाती हैं। उनका कहना था कि त्योहारों को लेकर इस तरह की चर्चाएं केवल हिंदू पर्वों के समय ही प्रमुखता से सामने आती हैं। दीपावली के दिन विजयवर्गीय अपनी वर्षों पुरानी परंपरा का निर्वहन करते हुए इंदौर के नंदानगर स्थित अपनी पारिवारिक दुकान पर पहुंचे। इस दौरान उनके साथ नाती-पोते भी मौजूद थे। मां के नाम से स्थापित इस दुकान पर वे हर वर्ष दीपावली के शुभ मुहूर्त में खरीदारी और बिक्री की परंपरा निभाते हैं।

दुकान पर मुहूर्त की बिक्री करने के बाद विजयवर्गीय परदेशीपुरा स्थित समाज कल्याण परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने निःशक्त और बेसहारा बुजुर्गों के साथ दीपावली का उत्सव मनाया। उन्होंने वृद्धजनों के बीच समय बिताया और उनके साथ गीत-संगीत तथा नृत्य में हिस्सा लिया। इस दौरान बुजुर्गों और बच्चों के बीच अंत्याक्षरी का आयोजन भी हुआ, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विजयवर्गीय ने अंत्याक्षरी के दौरान कई गीत गाए और रामायण की चौपाइयों के साथ भक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर माहौल को भक्तिमय बना दिया। उन्होंने सभी बुजुर्गों को दीपावली के उपहार भेंट किए और उनका आशीर्वाद भी लिया।

विजयवर्गीय ने बताया कि वे पिछले 43 वर्षों से ऐसे बुजुर्गों के बीच दीपावली मनाते आ रहे हैं, जो अपने परिवार और अपनों से दूर वृद्धाश्रम में जीवन व्यतीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों के साथ त्योहार की खुशियां साझा करना उनकी पुरानी परंपरा का हिस्सा है। कार्यक्रम के दौरान बुजुर्गों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली और मंत्री भी उनके साथ नाचते-गाते नजर आए। बच्चों और वृद्धजनों के बीच गीतों की अंत्याक्षरी ने आयोजन को खास बना दिया। इस तरह विजयवर्गीय ने दीपावली के दिन पारिवारिक परंपरा निभाने के साथ सामाजिक सरोकार से जुड़ी गतिविधि में भी भागीदारी की।

इंदौर में बढ़ी ठंड की दस्तक, न्यूनतम तापमान 12.5 डिग्री पर पहुंचा, पचमढ़ी से भी रही ज्यादा ठिठुरन

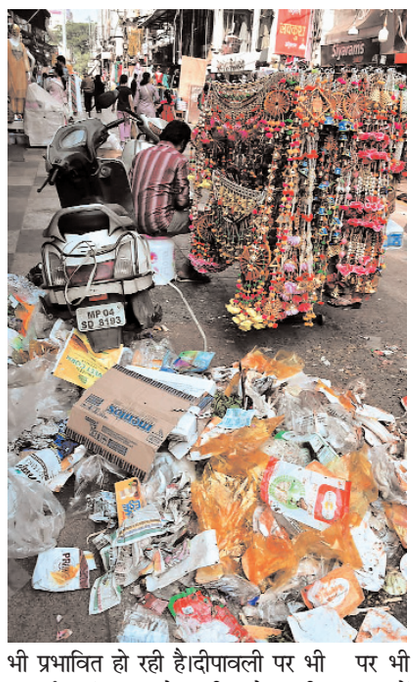


इंदौर। शहर में मौसम का मिजाज तेजी से बदलने लगा है। दिन के समय हल्की गर्मी महसूस हो रही है, लेकिन रात और सुबह के तापमान में गिरावट के चलते ठंड का असर बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटों के दौरान इंदौर के न्यूनतम तापमान में 3.7 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही पारा औसत से 3.1 डिग्री नीचे उतरकर 12.5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। खास बात यह रही कि प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री दर्ज हुआ, जो इंदौर से थोड़ा अधिक रहा। भोपाल में भी न्यूनतम तापमान 13.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बैतूल, जबलपुर और रायसेन में भी रात के तापमान में गिरावट देखी गई।मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार फिलहाल प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में तापमान की स्थिति एक जैसी नहीं है। शिवपुरी में न्यूनतम तापमान 21 डिग्री और टीकमगढ़ में 18.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से क्रमशः 5.9 और 5.8 डिग्री अधिक है। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा के मुताबिक वर्तमान में मध्य क्षोभमंडल में पछुआ हवाओं के साथ पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है। इसके अलावा 10 नवंबर से एक नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है, जिससे मौसम में फिर बदलाव संभव है। फिलहाल अगले चार दिनों तक प्रदेश में किसी तरह की मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की गई है। मौसम शुष्क रहने के बीच सुबह-रात की ठंड बढ़ेगी और नवंबर के अंतिम सप्ताह तक सर्दी का असर तेज होने की संभावना है।

400 से ज्यादा गाड़ियां खड़ी, जगह-जगह लगे कचरे के ढेर से लोग परेशान

कर्मचारियों की हड़ताल से सड़कों पर दुर्गंध मार रहा कचरा

भोपाल, सफाईकर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से राजधानी की सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। बुधवार से शुरू हुई हड़ताल का असर गुरुवार को और बढ़ गया। शहर के कई इलाकों में घरों से कचरा नहीं उठा, वहीं सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर जमा कचरे से दुर्गंध फैलने लगी है। गली-मोहल्लों से लेकर बाजारों तक कचरे के ढेर दिखाई देने लगे हैं। इससे स्थानीय रहवासियों और दुकानदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दीपावली से पहले सफाई व्यवस्था ठप होने से शहर में गंदगी बढ़ने का खतरा भी पैदा हो गया है।नगर निगम की डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित है। शहर में घरों से कचरा उठाने के लिए 400 से अधिक गाड़ियां संचालित होती हैं, लेकिन हड़ताल के कारण ये सभी खड़ी हैं। भोपाल में रोजाना करीब 850 टन कचरा निकलता है। ऐसे में दो दिन से कचरा संग्रहण प्रभावित होने के कारण कई स्थानों पर कचरा जमा होने लगा है। कचरा उठाने के साथ ही सड़कों की नियमित सफाई भी प्रभावित हो रही है।दीपावली पर भी सफाई बंद रखने की चेतावनीः कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं होता, हड़ताल जारी रहेगी। दीपावली पर भी घरों से कचरा नहीं उठाने और सड़कों की सफाई नहीं करने की चेतावनी दी गई है। इससे त्योहार के दौरान शहर की स्वच्छता व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है। मंगलवार को कर्मचारियों ने जहांगीराबाद चौराहे पर करीब दो घंटे जाम लगाया था। इसके बुधवार को मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और प्रमुख सचिव से बातचीत प्रस्तावित थी।





चार मांगों को लेकर अड़े कर्मचारी

सफाईकर्मी सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने, पति या पत्नी की मृत्यु पर अनुकंपा नियुक्ति, न्यूनतम 25 हजार रुपये मासिक वेतन और सभी कर्मचारियों को स्थायी करने की मांग कर रहे हैं। उनकी मांग है कि ठेका व्यवस्था समाप्त कर सफाईकर्मियों को नियमित किया जाए। अखिल भारतीय सफाई मजदूर ट्रेड यूनियन (7262) के प्रदेश अध्यक्ष मगनलाल झांझोट के अनुसार, प्रदेशभर में एक लाख से अधिक कर्मचारी आंदोलन में शामिल हैं।

सेना दिवस परेड के लिए दिसंबर से सील होगा भेल क्षेत्र

भोपाल। राजधानी में 15 जनवरी को होने वाले सेना दिवस समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। भेल के दशहरा मैदान से जंबूरी मैदान तक करीब तीन किलोमीटर लंबे मार्ग को सेना की परेड के अनुकूल बनाया जा रहा है। इसके लिए सड़क के बीच स्थित चार प्रमुख चौराहों की रोटरियां हटा दी गई हैं। एक दिसंबर से परेड मार्ग और उससे लगे प्रमुख रास्तों पर सुरक्षा के मद्देनजर प्रतिबंध लागू कर क्षेत्र को चरणबद्ध तरीके से सील किया जाएगा। इससे भेल क्षेत्र की करीब 80 कॉलोनियों में रहने वाले दो लाख लोगों की आवाजाही प्रभावित होगी। उनके लिए वैकल्पिक मार्ग तैयार किए जा रहे हैं।

रिहर्सल के दौरान भी रहेगा सुरक्षा घेराः पुलिस और जिला प्रशासन एक दिसंबर से रिहर्सल शुरू होने और 15 जनवरी को मुख्य आयोजन तक यातायात व्यवस्था नियंत्रित रखने की योजना बना रहे हैं। सेना के वरिष्ठ अधिकारी प्रतिदिन सड़क निर्माण और तैयारियों का निरीक्षण कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में पहली बार सेना दिवस समारोह आयोजित होने के कारण सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया

4 किलो अवैध गांजे के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार, रायपुर से लाते थे माल

भोपाल। शहर में अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए भोपाल पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में थाना गौतम नगर पुलिस ने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए 3 आरोपियों मनोज संकत, शिवा उर्फ शिवाशु संकत और शिवम महेश्वर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 4 किलो अवैध मादक पदार्थ गांजा और एक जुपटर स्कूटी जब्त की है।पुलिस आयुक्त भोपाल संजय कुमार और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेन्द्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। मुखबिर से सूचना मिली थी कि नगर निगम कॉलोनी, नारियलखेड़ा निवासी एक व्यक्ति अपने घर के सामने गांजे की पुड़िया बेच रहा है।

पटाखों से झुलसे तो जेपी में तैयार है 8 बेड का बर्न यूनिट

भोपाल, दीपावली पर आतिशबाजी के दौरान होने वाले हादसों से निपटने के लिए राजधानी के अस्पतालों ने तैयारी शुरू कर दी है। पटाखों से हाथ-पैर और चेहरा झुलसने, आंखों में बारूद या चिंगारी लगने और धुएं से सांस लेने में परेशानी होने पर मरीजों को तत्काल उपचार मिल सकेगा। इस बार जेपी अस्पताल में आठ बिस्तरों का विशेष बर्न यूनिट तैयार किया गया है। वहीं हमीदिया अस्पताल और एम्स को भी आपातकालीन सेवाओं के लिए अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए हैं। घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए भोपाल में 108 एंबुलेंस की करीब 40 गाड़ियां तैयार रखी जाएंगी। जानकारी के अनुसार जेपी जिला अस्पताल में पटाखों से झुलसने वाले मरीजों के लिए आठ बिस्तरों का अलग वार्ड चिह्नित किया गया है। यहां जलने के उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवाएं, ड्रेसिंग किट, एंटीबायोटिक और दर्द निवारक दवाएं उपलब्ध रखी जाएंगी। डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की विशेष टीम तैनात रहेगी। जरूरत पड़ने पर सर्जरी विभाग के डॉक्टर भी उपचार के लिए उपलब्ध होंगे। जेपी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. संजय कुमार जैन के मुताबिक, पिछले साल दीपावली पर पटाखों और कार्बाइड गन से घायल हुए लोगों के इलाज के दौरान अलग व्यवस्था की कमी महसूस हुई थी। इसी अनुभव के आधार पर इस बार विशेष यूनिट तैयार किया जा रहा है।

आंखों की चोट से लेकर सांस की परेशानी तक का इंतजामः हमीदिया अस्पताल, गांधी मेडिकल कॉलेज और एम्स में भी जलने, आंखों में चोट और गंभीर रूप से घायल मरीजों के उपचार की व्यवस्था रखने को कहा गया है। आकस्मिक चिकित्सा इकाई और ऑपरेशन थिएटर को तैयार रखने के साथ जरूरी चिकित्सा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। पटाखों के धुएं से अस्थमा और सांस के मरीजों की परेशानी बढ़ने की आशंका के चलते ऑक्सीजन, वेंटिलेटर और जरूरी दवाओं का इंतजाम भी किया जा रहा है।

108 की 40 गाड़ियां रहेंगी अलर्ट परः हादसों में घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए भोपाल में 108 एंबुलेंस सेवा की करीब 40 गाड़ियां अलर्ट पर रहेंगी। इनमें ऑक्सीजन और जरूरी जीवनरक्षक उपकरण उपलब्ध रखने पर जोर दिया गया है। अस्पतालों में आकस्मिक ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की जानकारी भी प्रदर्शित करने के निर्देश हैं।

मुख्यमंत्री ने दिए निगरानी के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिला कलेक्टरों को अस्पतालों की तैयारियों की निगरानी करने को कहा है। जिला अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों के बर्न वार्ड में दवाओं, उपकरणों और मेडिकल स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस कमिश्नर ने कटारा हिल्स में किया जनसंवाद



भोपाल। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार द्वारा कटारा हिल्स थाना क्षेत्र अंतर्गत लहारपुर एक्सटेंशन पुलिस चौकी पर नागरिकों के साथ जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। संवाद के दौरान स्थानीय नागरिकों ने पुलिस कमिश्नर को अवगत कराया कि कमेटी हॉल के सामने कुछ असामाजिक तत्व खुलेआम शराब पीकर गाली-गलौज करते हैं, जिससे क्षेत्र का माहौल खराब होता है। नागरिकों ने पुलिस गश्त बढ़ाने का सुझाव दिया। कमिश्नर संजय कुमार ने सभी की शिकायतें ध्यानपूर्वक सुनीं और क्षेत्र में गश्त बढ़ाने तथा

अवैध हथियारों के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार, 4 पिस्टल और एक कट्टा बरामद

भोपाल। राजधानी में अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस लगातार सख्त कदम उठा रही है। इसी कड़ी में थाना हनुमानगंज पुलिस ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले 2 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 4 आधुनिक पिस्टल, 1 देशी कट्टा, 5 मैगजीन और 7 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं।

पुलिस के मुताबिक थाना हनुमानगंज पुलिस को मुखबिर से खबर मिली थी कि सिंधी कॉलोनी चौराहे के पास एक संदिग्ध व्यक्ति अवैध हथियार लेकर किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक अवधेश सिंह भदौरिया के नेतृत्व में टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर मुख्य आरोपी फरहान मोहम्मद उम्र 32 वर्ष, निवासी तलैया, भोपाल को दबोच लिया।

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह की जयंती पर विधानसभा में पुष्पांजलि

भोपाल, मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय अर्जुन सिंह की जयंती पर गुरुवार को विधानसभा के सेंट्रल हॉल में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं अर्जुन सिंह के पुत्र अजय सिंह राहुल की मौजूदगी में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर प्रदेश की राजनीति में अर्जुन सिंह के योगदान और उनके राजनीतिक जीवन को याद किया गया।

अर्जुन सिंह का जन्म 5 नवंबर 1930 को मध्यप्रदेश के सीधी जिले के चुरहट में हुआ था। चुरहट उस समय विंध्य प्रदेश का हिस्सा था। वर्ष 1956 में विंध्य प्रदेश का मध्यप्रदेश में विलय होने के बाद वे प्रदेश की राजनीति में



सक्रिय रहे। उन्होंने 1956 में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में पहली बार विधानसभा में प्रवेश किया। वर्ष 1960 में वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए। अर्जुन सिंह ने दो बार मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री का पद संभाला। उनका पहला कार्यकाल 9 जून 1980 से 10 मार्च 1985 तक रहा, जबकि दूसरी बार वे 14 फरवरी 1988 से 23 जनवरी 1989 तक मुख्यमंत्री रहे। इसके अलावा उन्होंने केंद्र सरकार में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई। आपातकाल के बाद 1977 में कांग्रेस की हार के पश्चात पार्टी को दोबारा स्थापित करने के प्रयासों में उनकी भूमिका को भी याद किया गया।

दीपावली और छठ महापर्व पर 24 विशेष ट्रेनों का संचालन और सुरक्षा के कड़े इंतजाम

भोपाल। पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल द्वारा दीपावली और छठ महापर्व पर यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने तथा सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। त्योहारी सीजन में यात्रियों की भारी मांग को ध्यान में रखते हुए नवंबर माह में भोपाल मंडल से होकर विभिन्न दिशाओं के लिए कुल 24 विशेष ट्रेनों (12 जोड़ी) का संचालन किया जा रहा है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए भोपाल, रानी कमलापति, बीना, गुना और इटारसी जैसे प्रमुख स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था बेहद सुदृढ़ की गई है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और टिकट चेकिंग स्टाफ द्वारा प्लेटफॉर्म, प्रवेश/निकास द्वारों तथा परिसरों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसके साथ ही, टिकट काउंटरों पर लगने वाली लंबी कतारों को कम करने और यात्रियों को त्वरित अनारक्षित टिकट उपलब्ध कराने के लिए स्टेशनों पर ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) की सुविधा को सुचारू रूप से चालू रखा गया है। प्रमुख विशेष ट्रेनें और ठहराव-मंडल से गुजरने वाली इन विशेष ट्रेनों में रानी कमलापति-दानापुर, रानी कमलापति-रीवा, लोकमान्य तिलक टर्मिनस (मऊ, गोरखपुर, बनारस), पुणे-गोरखपुर, हडपसर-गाजीपुर सिटी, सुल्तानपुर-एलटीटी, अजमेर रांची, जोधपुर-चेन्नई बीच, उधना-प्रयागराज और बांद्रा टर्मिनस-झांसी स्पेशल ट्रेनें शामिल हैं। इनका ठहराव इटारसी, नर्मदापुरम, भोपाल, रानी कमलापति, बीना, विदिशा, गुना और रुठियाई सहित प्रमुख स्टेशनों पर है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान नियमों का पालन करें, अनावश्यक भीड़ न लगाएं और किसी भी सहायता या आपात स्थिति के लिए रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 का उपयोग करें।

धनतेरस से बाजारों में बदलेगी ट्रैफिक व्यवस्था, 11 फायर स्टेशनों पर 30 दमकलें अलर्ट

पांच दिन तक बाजारों में रहेगी खरीदारों की भीड़, 500 कर्मचारियों की डबल शिफ्ट में ड्यूटी; न्यू मार्केट, 10 नंबर और पुराने शहर में डायवर्जन, पार्किंग के लिए तय किए स्थान

भोपाल, धनतेरस के साथ राजधानी के बाजारों में दीपावली की रौनक बढ़ेगी। पांच दिन तक बाजारों में खरीदारी के लिए उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए नगर निगम और यातायात पुलिस ने सुरक्षा एवं ट्रैफिक के इंतजाम किए हैं। बाजारों में जाम से बचाने के लिए प्रमुख मार्गों पर डायवर्जन और वन-वे व्यवस्था लागू रहेगी। वहीं, आगजनी की घटनाओं से निपटने के लिए नगर निगम का फायर अमला अलर्ट मोड पर रहेगा। करीब 500 कर्मचारियों की डबल शिफ्ट में ड्यूटी लगाई गई है।

दीपावली के दौरान बाजारों में पटाखों, सजावटी सामान और अन्य दुकानों पर भीड़ बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए शहर के सभी 11 फायर स्टेशनों पर 30 दमकल वाहन और पानी से भरे 22 टैंकर तैयार रखे जाएंगे। पटाखा बाजारों में विशेष रूप से दमकल वाहन तैनात रहेंगे। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंच सकेगी।

10 नंबर मार्केट में वन-वे, न्यू मार्केट में डायवर्जनः 10 नंबर मार्केट में 4 से 9 नवंबर तक जरूरत के अनुसार वन-वे व्यवस्था लागू रहेगी। वंदे मातरम चौराहे से वाहन मार्केट में प्रवेश कर मार्केट तिराहे से नेशनल अस्पताल की ओर जा सकेंगे। साढ़े 10 नंबर स्टॉप से आने वाले वाहन भी मार्केट तिराहे से नेशनल अस्पताल की ओर जा सकेंगे। नेशनल अस्पताल से 10 नंबर मार्केट और 10 नंबर मार्केट से वंदे मातरम चौराहे की ओर वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। यहां बिट्टन मार्केट, 10 नंबर मार्केट की नगर निगम पार्किंग और मनोहर डेयरी के पास वाहन पार्क किए जा सकेंगे। न्यू मार्केट आने वाले लोगों के लिए टीटी नगर थाना चौराहे के पास मल्टीलेवल पार्किंग तय की गई है। यातायात का दबाव बढ़ने पर रंगमहल चौराहे से थाना चौराहे और टीटी क्रॉस तिराहे से थाना चौराहे की ओर आने वाले वाहनों को मटका चौराहा और स्पोर्ट मार्ट की तरफ डायवर्ट किया जाएगा।

एमपी नगर और बैरागढ़ में भी पार्किंगः एमपी नगर जोन-1 में खरीदारी करने आने वाले लोग मल्टीलेवल पार्किंग और निर्धारित पार्किंग स्थलों पर वाहन खड़े कर सकेंगे। बैरागढ़ में पंचानन चौराहे के पास मल्टीलेवल पार्किंग तय की गई है। नए ब्रिज निर्माण के चलते पीडब्ल्यूडी की ओर से तैयार किए जा रहे छोटे पार्किंग स्थलों का भी उपयोग किया जा सकेगा।

रात 12 से सुबह 7 बजे तक ही लोडिंग-अनलोडिंगः यातायात पुलिस ने व्यापारियों से दुकानों में सामान की लोडिंग-अनलोडिंग रात 12 से सुबह 7 बजे के बीच करने की अपील की है। इससे दिन में बाजारों की सड़कों पर मालवाहक वाहनों के कारण यातायात बाधित नहीं होगा। नागरिकों से निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही वाहन खड़े करने और भीड़भाड़ वाले बाजारों में निजी वाहनों के बजाय सार्वजनिक यात्री वाहनों का उपयोग करने की अपील की गई है।

न्यू मार्केट की आग के बाद विशेष सतर्कता

न्यू मार्केट में 8 अक्टूबर को आगजनी की बड़ी घटना हो चुकी है। ऐसे में त्योहार के दौरान फायर अमले ने अतिरिक्त सतर्कता बरतने की तैयारी की है। फायर ऑफिसर सौरभ पटेल के मुताबिक, प्रत्येक पटाखा मार्केट में दमकल तैनात रहेगी। न्यू मार्केट के साथ पुराने शहर के बाजारों में भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। फतेहगढ़, जिंसी चौराहा, कोलार, होशंगाबाद रोड, रायसेन रोड और करोंद सहित सभी 11 फायर स्टेशनों पर दमकल और पानी के टैंकर तैयार रहेंगे। पुराने शहर की संकरी गलियां फायर वाहनों के लिए चुनौती हैं। ऐसे इलाकों में जरूरत पड़ने पर छोटे फायर वाहन भेजे जाएंगे।

रोशनी, रौनक और खुशियों से जगमगाएगी राजधानी

भोपाल, रोशनी, उल्लास और समृद्धि का पर्व दीपावली आज राजधानी में पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए शहर के घर-आंगन सजकर तैयार हैं। शाम होते ही दीपों और रंग-बिरंगी रोशनी से राजधानी जगमगाएगी। घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में विधि-विधान से मां लक्ष्मी और भगवान गणेश का पूजन कर सुख-समृद्धि की कामना की जाएगी। बाजारों में उमड़ी भीड़ ने त्योहार की रौनक को और बढ़ा दिया है। इस बार दीपावली पर लक्ष्मी पूजन के लिए शुभ समय की अवधि काफी अच्छी है। मुख्य पूजन के लिए शाम 5:54 बजे से रात 7:50 बजे तक वृषभ लग्न रहेगा। वहीं प्रदोष काल शाम 5:31 से रात 8:09 बजे तक है। इसके अलावा रात 11:40 से 12:31 बजे तक निशिता काल रहेगा। व्यापारियों के लिए सिंह लग्न में रात 12:41 से सुबह 2:59 बजे तक पूजन का विशेष समय बताया गया है।

बाजारों में देर रात तक रही खरीदारी की धूमः दीपावली की पूर्व संध्या पर शनिवार को शहर के प्रमुख बाजारों में जमकर खरीदारी हुई। न्यू मार्केट, चौक बाजार, 10 नंबर मार्केट, एमपी नगर और पुराने शहर के बाजारों में ग्राहकों की भीड़ रही। लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों, मिट्टी के दीयों, फूल-मालाओं, पूजन सामग्री और सजावटी लाइट की दुकानों पर खरीदारों की आवाजाही बनी रही। मिठाई, नमकीन और उपहारों की दुकानों पर भी दिनभर रौनक रही।

पटाखों की दुकानों पर बच्चों का उत्साहः दीपावली पर पटाखों की खरीदारी को लेकर बच्चों में खास उत्साह दिखाई दिया। निर्धारित दुकानों पर देर रात तक लोग आतिशबाजी का सामान खरीदते रहे। रंग-बिरंगी फुलझड़ियां, अनार, चकरी और अन्य पटाखे बच्चों को आकर्षित करते रहे। बाजारों में बढ़ती भीड़ के कारण कई सड़कों पर यातायात धीमा रहा। पुलिस ने भीड़भाड़ वाले इलाकों में वाहनों की आवाजाही नियंत्रित की।

दीपों से सजेगा घर-आंगनः शाम को शुभ मुहूर्त में लक्ष्मी-गणेश पूजन के बाद घरों में दीप जलाए जाएंगे। लोग एक-दूसरे को मिठाइयां बांटकर दीपावली की शुभकामनाएं देंगे। रंगोली, दीपमालाओं और आकर्षक विद्युत सज्जा से घरों और प्रतिष्ठानों में त्योहार की छटा बिखरेगी। पूरे शहर में आज उत्सव, आस्था और खुशियों का माहौल रहेगा।

खुले मैदान में जुआ खेल रहे 10 शातिर जुआरी गिरफ्तार, डेढ़ लाख से अधिक का माल जप्त

भोपाल। राजधानी भोपाल में अवैध जुआ-सट्टा के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कटारा हिल्स थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर झागरिया झुग्गी बस्ती के पीछे खुले मैदान में दबिश देकर जुआ खेल रहे 10 शातिर आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।पुलिस आयुक्त संजय कुमार, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मोनिका शुक्ला और डीसीपी जोन-2 श्रद्धा तिवारी के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई। एसीपी बागसेवनिया उमराव सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम को 06 नवंबर 2026 को सूचना मिली थी कि कुछ लोग कटारा हिल्स क्षेत्र में मैदान में जुआ खेल रहे हैं।मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी कर योगेश साहू, राहुल शिवराज, सुरेश बेगा, प्रीतम वर्मा और महेश जायसवाल को दबोचा। आरोपियों के कब्जे से 52 ताश के पत्ते, 28,100 रुपये नगद और 8 महंगे मोबाइल फोन सहित कुल 1,

कचरे में आग लगाये जाने से 118 पर पहुंचा भोपाल का एक्यूआई

दिवाली के पहले भोपाल सहित प्रदेश के 31 शहरों की हवा खराब

भोपाल, दिवाली पर आतिशबाजी से होने वाले वायु प्रदूषण की चिंता के बीच मध्यप्रदेश के शहरों की हवा अभी से खराब होने लगी है। प्रदेश के 31 शहरों के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के आंकड़े बताते हैं कि अधिकांश शहरों में प्रदूषण का स्तर बढ़ा हुआ है। राजधानी में सफाई कर्मचारियों द्वारा कचरा जलाये जाने के चलते पर्यावरण परिसर में एक्यूआई जहां 304 तक पहुंच गया। जबकि शहर में शनिवार शाम इसका औसत स्तर 118 पर रहा है। मुरैना-सिंगरौली में प्रदूषण गंभीर स्तर पर मिला है। खजुराहो और ग्वालियर की स्थिति भी चिंताजनक है। प्रदेश के 31 शहरों में से 22 शहर ऐसे रहे, जहां एक्यूआई 100 से अधिक दर्ज किया गया। इनमें जबलपुर 121, कटनी 137, छिंदवाड़ा 149, सतना 149, सागर 121, विदिशा 142, उज्जैन 112, दमोह 118 और उमरिया 118 शामिल हैं। छतरपुर में भी एक्यूआई 201 रहा। वहीं ओरछा में 178 और मैहर में 132 दर्ज किया गया। 369 एक्यूआई के साथ प्रदेश का सबसे प्रदूषित शहर मुरैना रहा, जबकि सिंगरौली में यह 322 दर्ज किया गया। दोनों शहरों में हवा गंभीर श्रेणी में पहुंच गई है। ग्वालियर सिटी सेंटर में 351 और शहर औसत 251 रहा है। और खजुराहो में भी स्थिति चिंताजनक है। यहां एक्यूआई 230 दर्ज किया गया, जो अस्वस्थकर श्रेणी में आता है।



आतिशबाजी के बाद बढ़ सकती है परेशानी दिवाली के दौरान पटाखों से निकलने वाला धुआं और सूक्ष्म कण पहले से मौजूद प्रदूषण को और बढ़ा सकते हैं। सर्दी की शुरुआत के साथ रात के तापमान में गिरावट भी प्रदूषकों के फैलाव को प्रभावित कर सकती है। ऐसे में बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत बताई जा रही है। बता दें कि भोपाल की हवा भी दिवाली से पहले ही खराब श्रेणी में बनी हुई है। इसमें पीएम-2.5 का स्तर 48 और पीएम-10 का स्तर 129 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर रहा। विशेषज्ञ बताते हैं कि हवा में बारीक धूलकणों के साथ बड़े कणों की मौजूदगी भी दर्ज की गई है।

प्रमुख शहरों का एक्यूआई

शहर	एक्यूआई
भोपाल	118
जबलपुर	121
उज्जैन	112
इंदौर	95
ग्वालियर	251

संपादकीय

प्रकृति की अनदेखी के दुष्परिणाम

नेपाल में आई विनाशकारी आकस्मिक बाढ़ और भूस्खलन ने एक बार फिर पूरे दक्षिण एशिया को झकझोर कर रख दिया है। हिमालय की गोद में बसी यह शांत और सुंदर भूमि जिस तरह प्राकृतिक तबाही का केंद्र बनी है, वह केवल एक भौगोलिक दुर्घटना नहीं, बल्कि प्रकृति के बढ़ते रोष और इंसानी बेपरवाही का एक भयावह प्रतीक है। उफनती नदियां, जलमग्न शहर, ताश के पत्तों की तरह बहते पक्के पुल और मलबे के नीचे दबे गांव के गांव केवल नेपाल की आपदा के दृश्य नहीं हैं, बल्कि यह पूरे क्षेत्र के लिए एक ऐसी चेतावनी है, जिसे अब और नजरअंदाज करना आत्मघाती साबित होगा। इस त्रासदी के लिए केवल प्रकृति के मिजाज को जिम्मेदार ठहराना समस्या की गहराई से मुंह मोड़ना होगा। इसके पीछे अनियोजित विकास, पहाड़ों का अविवेकपूर्ण दोहन और जलवायु परिवर्तन जैसे इंसानी कारण बहुत ही गहराई से जुड़े हुए हैं।पिछले कुछ दशकों में नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों और काठमांडू घाटी में जिस तरह अनियंत्रित और बेतरतीब निर्माण कार्य हुआ है, उसने प्राकृतिक जल निकासी की व्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों और बाढ़ के मैदानों में बहुमंजिला इमारतों, सड़कों और व्यावसायिक परिसरों का निर्माण कर लिया गया। जब नदियों के पास बहने के लिए स्वाभाविक जगह ही नहीं बची तो पानी ने आबादी वाले इलाकों का रुख किया। इसके साथ ही सड़कों के संजाल को फैलाने और रन-आफ-द-रिवर जलविद्युत परियोजनाओं को खड़ा करने के नाम पर पहाड़ों की अंधाधुंध कटाई की गई।भारी डायनामाइट विस्फोटों ने संवेदनशील ढलानों की आंतरिक दरारों को और चौड़ा कर दिया है, जिससे वे मामूली बारिश में भी खिसकने लगी हैं। ढलानों से जंगलों की कटाई ने मृदा अपरदन की दर को कई गुना बढ़ा दिया है। पेड़ों की जड़ें जो मिट्टी को बांधकर रखती थीं, उनके गायब होने से बारिश का पानी सीधे सतह पर प्रचंड वेग से बहने लगता है। इसके ऊपर वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तन का असर अब अत्यंत प्रत्यक्ष और घातक रूप में सामने आ रहा है।हिंदूकुश हिमालयी क्षेत्र वैश्विक औसत की तुलना में अधिक तेजी से गर्म हो रहा है। तापमान में लगातार वृद्धि के कारण मानसून का चक्र पूरी तरह से अनिश्चित हो चुका है। अब बारिश का फैलाव पूरे मौसम में समान रूप से होने के बजाय कुछ ही दिनों या घंटों की अतिवृष्टि में सिमट गया है। जब अत्यधिक मात्रा में पानी एक साथ गिरता है तो जमीन उसे सोखने में असमर्थ हो जाती है और वह सतह पर प्रचंड बाढ़ का रूप ले लेता है।इसके साथ ही हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों के तेजी से लगातार पिघलने के कारण नई ग्लेशियल झीलों का निर्माण हो रहा है और पुरानी झीलों का आकार खतरनाक रूप से बढ़ रहा है। भूकंप या अत्यधिक जल-दबाव के कारण लाखों क्यूसेक पानी और मलबा कुछ ही मिनटों में नीचे घाटी की ओर बहता है, जिसकी विनाशकारी क्षमता सामान्य बाढ़ से कई गुना अधिक होती है।नेपाल की त्रासदी को केवल एक आपदा के रूप में न देखकर एक सामरिक, वैज्ञानिक और मानवीय चुनौती के रूप में देखा जाए। पारंपरिक रूप से हमारा ध्यान केवल आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य तक सीमित रहता है। इस प्रतिक्रियात्मक रवैये को बदलकर आपदा जोखिम न्यूनीकरण की दिशा में काम करना होगा। सबसे पहली आवश्यकता एक प्रभावी, आधुनिक और रियल-टाइम पूर्व-चेतावनी प्रणाली को विकसित करने की है।यदि निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को बाढ़ आने से कुछ घंटे पहले भी सटीक सूचना मिल जाए तो जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। दूसरा महत्वपूर्ण कदम भारत और नेपाल के बीच जल प्रबंधन को लेकर दशकों पुराने समझौतों और ठप पड़ी वार्ताओं को पुनर्जीवित करना है। कोसी और गंडक परियोजनाओं पर नए सिरे से ध्यान देना होगा। केवल बुनियादी ढांचा खड़ा करना ही काफी नहीं है, बल्कि उस ढांचे का नियमित रखरखाव, नदियों से गाद निकालने की निरंतर प्रक्रिया और जल भंडारण क्षमता में वृद्धि के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल जरूरी है।अब पूरे हिमालयी क्षेत्र में विकास की अवधारणा को फिर से परिभाषित करने की सख्त जरूरत है। पहाड़ों में बुनियादी ढांचे का विकास पारिस्थितिकी की कीमत पर नहीं होना चाहिए। सड़कों के निर्माण में भारी विस्फोटकों के बजाय हरित निर्माण तकनीकों का प्रयोग होना चाहिए। नदियों के तटवर्ती क्षेत्रों में अतिक्रमण को सख्ती से रोकते हुए नो-कंस्ट्रक्शन जोन घोषित किया जाना चाहिए। जब तक पहाड़ों की हरियाली और उसकी मिट्टी की पकड़ मजबूत नहीं होगी, तब तक भूस्खलन और मलबे के साथ आने वाली बाढ़ को नहीं रोका जा सकता।ग्लेशियल झीलों के खतरे से निपटने के लिए आधुनिक उपग्रह निगरानी प्रणालियों का उपयोग कर नियमित मैपिंग की जानी चाहिए और खतरनाक झीलों से साइफनिंग तकनीक द्वारा पानी को नियंत्रित रूप से बाहर निकालकर उनके जलस्तर को सुरक्षित सीमा में रखा जाना चाहिए। सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण देना और उन्हें पूर्व-चेतावनी नेटवर्क से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। जब तक विज्ञान, नीति-निर्माण और पर्यावरणीय संवेदनशीलता का सही समन्वय नहीं होगा, तब तक हम इस प्राकृतिक और मानवजनित आपदा के भंवर से बाहर नहीं निकल पाएंगे।

एआई की दौड़ में माइक्रोसॉफ्ट

नई दिल्ली. कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लेकर दुनिया की सबसे बड़ी टेक कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा लगातार तेज होती जा रही है. माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन, गूगल, मेटा और अन्य प्रमुख तकनीकी कंपनियां एआई इंफ्रास्ट्रक्चर, डेटा सेंटर, अत्याधुनिक चिप्स और नए एआई मॉडल विकसित करने पर सैकड़ों अरब डॉलर का निवेश कर रही हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीकी इतिहास के सबसे बड़े निवेश चक्रों में से एक है. हालांकि निवेशकों और वॉल स्ट्रीट की नजर इस बात पर भी है कि इतने बड़े निवेश से कंपनियों को भविष्य में कितना लाभ मिलेगा और क्या यह खर्च अपेक्षित आय में बदल पाएगा.

बाजार विश्लेषकों के अनुसार वैश्विक स्तर पर एआई को भविष्य की सबसे बड़ी तकनीकी क्रांति माना जा रहा है. इसी कारण हर बड़ी कंपनी इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धियों से आगे निकलने की कोशिश कर रही है. निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि वर्ष 2031 तक एआई से जुड़े बुनियादी ढांचे पर तकनीकी कंपनियां लगभग 7.6 ट्रिलियन डॉलर का निवेश कर सकती हैं. वहीं जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि 2030 तक एआई से संबंधित पूंजीगत निवेश 5.5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है. इस निवेश का बड़ा हिस्सा डेटा सेंटर, क्लाउड कंप्यूटिंग और हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग सिस्टम विकसित करने पर खर्च किया जाएगा.विशेषज्ञों का कहना है कि एआई केवल चैटबॉट या वर्चुअल असिस्टेंट तक सीमित नहीं है. इसका उपयोग सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, ग्राहक सेवा, डेटा विश्लेषण, स्वास्थ्य सेवाओं, वित्तीय प्रबंधन, अनुसंधान और औद्योगिक उत्पादन जैसे अनेक क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहा है. कंपनियों का मानना है कि आने वाले वर्षों में एआई नए उत्पाद, नई सेवाएं और राजस्व के नए स्रोत तैयार करेगा. यही कारण है कि वे अभी से इस तकनीक में बड़े पैमाने पर निवेश कर रही हैं.विशेषज्ञों का मानना है कि एआई निवेश का सबसे बड़ा लाभ एनवीडिया जैसी कंपनियों को मिल रहा है, जो एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने और चलाने के लिए आवश्यक जीपीयू चिप्स बनाती हैं. इसके अलावा माइक्रोन जैसी मेमोरी चिप निर्माता कंपनियों की मांग भी तेजी से बढ़ी है. क्लाउड सेवा प्रदाता, डेटा सेंटर निर्माण कंपनियां, ऊर्जा उत्पादक, कूलिंग सिस्टम निर्माता और निर्माण क्षेत्र से जुड़ी कंपनियां भी इस निवेश चक्र से लाभान्वित हो रही हैं. क्वालकॉम जैसी कंपनियां भी एआई डेटा सेंटर बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं.हालांकि एआई निवेश को लेकर बाजार में उत्साह के साथ चिंता भी बनी हुई है. वॉल स्ट्रीट का मानना है कि तकनीकी कंपनियों के शेयरों में भविष्य की संभावनाओं को पहले ही शामिल किया जा चुका है. अब निवेशक यह देखना चाहते हैं कि इतने बड़े निवेश के बदले कंपनियां वास्तविक आय और मुनाफा कितना बढ़ा पाती हैं. यदि अपेक्षित राजस्व नहीं मिला तो तकनीकी शेयरों में तेज गिरावट देखने को मिल सकती है.वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि एआई क्षेत्र में निवेश करने वाली कई कंपनियां बड़े पैमाने पर कर्ज लेकर डेटा सेंटर और अन्य बुनियादी ढांचा तैयार कर रही हैं.

हिमालय की हलचल दे रही बड़े खतरे का संकेत

यह हिमालय की भूगर्भीय संरचना और भूकंपों को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। फॉल्ट लॉक होने का अर्थ है कि जमीन के नीचे मौजूद दो विशाल प्लेटें आपस में अटक गई हैं और आसानी से खिसक नहीं पा रही हैं। भारतीय प्लेट लगातार उत्तर की ओर बढ़ रही है लेकिन रुकावट के कारण चट्टानों में दबाव जमा होता जा रहा है। इसे रबर बैंड के खिंचने जैसा समझिए। जब चट्टानें इस दबाव को सहन नहीं कर पाती और का संचय ही वैज्ञानिकों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। वैज्ञानिक इस स्थिति को समझने के लिए %स्लिप डेफिसिट% यानी खिसकाव-अंतर का अध्ययन करते हैं। इसका सरल अर्थ है कि प्लेटें जितनी गति से आगे बढ़ रही हैं और फाल्ट पर जितना वास्तविक खिसकाव हो रहा है, उनके बीच कितना अंतर है।

हिमालय की ऊंची चोटियां, शांत घाटियां और कलकल बहती नदियां प्रकृति के सौंदर्य का प्रतीक हैं, लेकिन इनके नीचे पृथ्वी की दो विशाल टेक्टोनिक प्लेटों के बीच लगातार हलचल जारी है। यह भूगर्भीय प्रक्रिया भविष्य में बड़े भूकंप का कारण बन सकती है। उत्तराखंड में हिमालय के नीचे जमा हो रहे भूकंपीय तनाव पर एक नए वैज्ञानिक अध्ययन ने इसी खतरे की ओर ध्यान दिलाया है। आइआइटी बॉम्बे, अमरीका की यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू मैक्सिको और सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु के शोधकर्ताओं के अनुसार, उत्तराखंड के नीचे मुख्य हिमालयी थ्रस्ट का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह लॉक यानी फंसा हुआ है। वहां जमा हो रही ऊर्जा लगभग हर सौ वर्ष में 8.1 तीव्रता के भूकंप से निकलने वाली ऊर्जा के बराबर हो सकती है। यह निष्कर्ष निश्चित समय पर भूकंप आने की भविष्यवाणी तो नहीं है लेकिन हिमालय के नीचे विकसित हो रहे दीर्घकालिक भूगर्भीय खतरे का वैज्ञानिक संकेत अवश्य है। चिंता का वास्तविक कारण यह नहीं कि भूकंप कब आएगा बल्कि यह है कि उसके आने से पहले हमारी तैयारियां कितनी मजबूत होंगी।

यूरोपीय भूविज्ञान संघ की वर्ष 2026 की आम सभा में प्रस्तुत इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने उत्तराखंड के नीचे चल रही भूगर्भीय गतिविधियों का विश्लेषण किया। इसके अनुसार, मुख्य हिमालयी थ्रस्ट का लगभग 115 किलोमीटर चौड़ा हिस्सा मजबूती से अवरुद्ध (लॉक) है। यहां भारतीय और यूरेशियाई प्लेटों की गति के कारण प्रतिवर्ष लगभग 18 मिलीमीटर का खिसकाव-अंतर जमा हो रहा है, जिसके परिणामस्वरूप ऊपरी हिमालय की जमीन हर साल लगभग 4 से 6 मिलीमीटर ऊपर उठ रही है। ये बदलाव संकेत देते हैं कि धरती के भीतर लगातार भूगर्भीय दबाव बन रहा है। इस खतरे को समझने के लिए मुख्य हिमालयी थ्रस्ट की भूमिका जानना जरूरी है। हिमालय का निर्माण भारतीय और यूरेशियाई प्लेटों के लंबे समय से जारी टकराव के कारण हुआ है। भारतीय प्लेट लगातार उत्तर की ओर बढ़ रही है और यूरेशियाई प्लेट के नीचे धंसने की प्रक्रिया से जुड़ी है। इन प्लेटों के बीच मौजूद विशाल फाल्ट सिस्टम को मुख्य हिमालयी थ्रस्ट कहा जाता है।

यह हिमालय की भूगर्भीय संरचना और भूकंपों को समझने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। फॉल्ट लॉक होने का अर्थ है कि जमीन के नीचे मौजूद दो विशाल प्लेटें आपस में अटक गई हैं और आसानी से खिसक नहीं पा रही हैं। भारतीय प्लेट लगातार उत्तर की ओर बढ़ रही है लेकिन रुकावट के कारण चट्टानों में दबाव जमा होता जा रहा है। इसे रबर बैंड के खिंचने जैसा समझिए। जब चट्टानें इस दबाव को सहन नहीं कर पाती और अचानक खिसकती हैं तो भूकंप आता है। उत्तराखंड के नीचे जमा होने वाले इस तनाव का संचय ही वैज्ञानिकों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। वैज्ञानिक इस स्थिति को समझने के लिए %स्लिप डेफिसिट% यानी खिसकाव-अंतर का अध्ययन करते हैं। इसका सरल अर्थ है कि प्लेटें जितनी गति से आगे बढ़ रही हैं और फाल्ट पर जितना वास्तविक खिसकाव हो रहा है, उनके बीच कितना अंतर है।

उत्तराखंड में प्रतिवर्ष लगभग 18 मिलीमीटर का खिसकाव-अंतर बताता है कि प्लेटों की गति का पूरा प्रभाव फाल्ट पर नियमित खिसकाव के रूप में सामने नहीं आ रहा। इसके बजाय कुछ ऊर्जा आसपास की चट्टानों में तनाव के रूप में जमा हो रही है। हालांकि, इस आंकड़े से यह तय नहीं किया जा सकता कि भूकंप कब आएगा या उसका परिमाण कितना होगा। यह इस बात पर निर्भर करता है कि फाल्ट का कितना हिस्सा टूटता है और उसके नीचे जमा तनाव किस प्रकार मुक्त होता है। यह जानना महत्वपूर्ण है कि आखिर 8.1 तीव्रता के भूकंप का क्या अर्थ है? यह बेहद शक्तिशाली भूकंप होता है, जो बड़े क्षेत्र में भारी तबाही मचा सकता है। भूकंप का परिमाण जितना बढ़ता है, उससे निकलने वाली ऊर्जा भी उतनी ही तेजी से बढ़ती है। परिमाण में प्रत्येक एक अंक की वृद्धि होने पर ऊर्जा लगभग 32 गुना बढ़ जाती है। हालांकि, भूकंप से होने वाला नुकसान केवल उसकी तीव्रता पर निर्भर नहीं करता। उसका केंद्र कहां है, वह जमीन के कितने नीचे आता है, वहां की मिट्टी कैसी है और इमारतें कितनी मजबूत हैं, ये सभी बातें नुकसान को प्रभावित करती हैं। घनी आबादी वाले क्षेत्रों में कमजोर इमारतें और राहत व्यवस्था की कमी खतरे को और बढ़ा सकती हैं।

8.1 तीव्रता के संभावित भूकंप की चर्चा का उद्देश्य लोगों में डर पैदा करना नहीं, बल्कि उन्हें सचेत करना है ताकि समय रहते सुरक्षा उपाय किए जा सकें और जान-माल का नुकसान कम किया जा सके। इस शोध से जुड़ी एक महत्वपूर्ण बात समझना जरूरी है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि उत्तराखंड के नीचे हर सौ वर्ष में 8.1 तीव्रता के भूकंप के बराबर ऊर्जा जमा हो सकती है लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि हर सौ वर्ष बाद ऐसा भूकंप आना निश्चित है। वैज्ञानिक अभी तक ऐसी कोई विश्वसनीय विधि विकसित नहीं कर पाए हैं, जिससे भूकंप के समय, स्थान और परिमाण की सटीक जानकारी पहले से दी जा सके। इसलिए इस शोध को भय का कारण बनाने के बजाय भूकंप के खतरे को समझने और उससे बचाव की तैयारी करने के अवसर के रूप में देखना चाहिए।

दिल्ली सहित सभी बड़े शहरों को भूकंप से बचाव की तैयारी को गंभीरता से लेना चाहिए। ऐसी स्थिति में सबसे जरूरी है कि भवन निर्माण के नियमों का सख्ती से पालन किया जाए। संवेदनशील क्षेत्रों में इमारतें बनाते समय भूकंपरोधी तकनीक अपनाई जानी चाहिए। पहाड़ी क्षेत्रों में सड़कें, पुल, सुरंगें, बांध और जलविद्युत परियोजनाएं बनाते समय भी भूकंप के खतरे को ध्यान में रखना चाहिए। संवेदनशील पहाडि?ों पर अनियोजित निर्माण और प्राकृतिक ढलानों से छेड़छाड़ से बचना भी आवश्यक है। विकास जरूरी वैज्ञानिक निगरानी व्यवस्था को मजबूत करना भी आवश्यक है। वैज्ञानिकों और होना चाहिए, ताकि शोध से मिलने वाली जानकारी के आधार पर सुरक्षा योजनाएं तैयार की जा सकें। सुरक्षित स्थानों की पहचान, निकासी मार्गों की व्यवस्था, प्रशिक्षित बचाव दल और जरूरी राहत सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करना भी बेहद महत्वपूर्ण है।

रोजगार न मिलना

कौशल विकास पर नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट के कई निष्कर्ष चिंतित करने वाले हैं। इन दिनों युवाओं के हित की चिंता करती दिख रहीं केंद्र और राज्य सरकारों को इन निष्कर्षों पर गंभीरता से ध्यान देना होगा। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश में जो नौकरियां सृजित हो रही हैं, उनके अनुरूप जैसी शिक्षा की आवश्यकता है, उसमें अनेक खामियां हैं।इस रिपोर्ट के अनुसार 15 से 29 वर्ष के लगभग 8.7 करोड़ युवा न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न रोजगार में हैं और न ही किसी तरह का प्रशिक्षण ले रहे हैं। इन्हें एनईईटी यानी नाट इन एजुकेशन, एम्पलायमेंट एंड ट्रेनिंग श्रेणी में रखा गया है। कुछ युवा लंबे समय तक रोजगार न मिल पाने के कारण एनईईटी श्रेणी में चले जाते हैं।नीति आयोग के अनुसार कौशल विकास माडल को केवल प्रशिक्षण देने तक सीमित रखने के बजाय उसे रोजगार और करियर से जोड़ा जाना चाहिए। नीति आयोग ने यह पाया कि केवल 8.25 प्रतिशत स्नातक ऐसा काम कर रहे हैं, जो उनकी योग्यता के अनुरूप है। इसका मतलब है कि अधिकांश युवाओं को अपनी योग्यता के हिसाब से नौकरियां नहीं मिल रही हैं। इसका कारण यही हो सकता है कि कारोबार जगत के पास जैसी नौकरियां हैं, उनके लायक युवा नहीं निखर पा रहे हैं।आयोग के अनुसार समस्या सिर्फ बेरोजगारी की नहीं है, बल्कि पढ़ाई रोजगार के लिए जरूरी कौशल और उद्योग की जरूरतों के बीच तालमेल के अभाव की भी है। आयोग ने कमजोर व्यावहारिक अनुभव, उद्योग से कम जुड़ाव, सतही इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप एवं करियर गाइडेंस की कमी को प्रमुख चुनौतियों में गिना है। सरकारों को इन चुनौतियों का सामना करने के लिए आगे आना होगा। आयोग ने स्कूलों के स्तर से ही उद्यमिता कौशल विकसित करने और रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने का जो सुझाव दिया है, वह नया नहीं है। कठिनाई यह है कि ऐसे सुझावों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है।यह समय की मांग है कि छात्रों को स्कूल स्तर से ही रोजगार और उद्यमिता से जुड़े कौशल से लैस किया जाए। भले ही केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में विभिन्न मंत्रालयों के माध्यम से कौशल विकास से जुड़े कार्यक्रमों के लिए लगभग 34 हजार करोड़ का प्रविधान किया हो, लेकिन नीति आयोग का मानना है कि प्रशिक्षण की पहुंच और रोजगार के परिणामों में अभी बड़ा अंतर है।

इस अंतर को पाटे बिना बात बनने वाली नहीं है। कौशल विकास के मामले में यह बात सामने आ रही है कि जिन संस्थाओं पर इसकी जिम्मेदारी है, वे अपना काम सही ढंग से नहीं कर पा रही हैं। इसका अर्थ है कि वे कौशल विकास के नाम पर खानापूरी कर रही हैं। कौशल विकास का काम तब तक सही तरह से नहीं होने वाला, जब तक योग्य प्रशिक्षकों की सेवाएं लेना सुनिश्चित नहीं किया जाता। कौशल विकास कार्यक्रमों की गुणवत्ता के साथ प्रशिक्षकों की गुणवत्ता पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा।नीति आयोग के अनुसार जो युवा बीए, बीकाम की डिग्री लेकर नौकरी तलाश रहे हैं, उनके लिए कोई खास नौकरियां सामने नहीं आ रही हैं। इन डिग्रियों का नौकरी से सीधा जुड़ाव कमजोर है। कई छात्र इन डिग्रियों को इसलिए चुनते हैं, ताकि इनके जरिये सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन करने की पात्रता मिल जाए। अब जब यह स्पष्ट है कि बीए, बीकाम और बीएससी की डिग्रियां सीधे रोजगार में नहीं बदलतीं तो फिर इनके पाठ्यक्रम में परिवर्तन किया जाना चाहिए।आयोग ने सामान्य डिग्री कार्यक्रमों को रोजगार से जोड़ने के लिए जाब-लिंक्ड स्पेशलाइजेशन, इंडस्ट्री से जुड़े पाठ्यक्रम और वर्क-इंटीग्रेटेड डिग्री कार्यक्रम बढ़ाने का जो सुझाव दिया, उस पर अमल में देर नहीं होनी चाहिए। यह एक सही सुझाव है कि बीकाम के साथ एनालिटिक्स या डिजिटल मार्केटिंग, बीए के साथ रिटेल या हास्पिटैलिटी और बीएससी के साथ एप्लाइड टेक्नोलाजी जैसे विकल्प विकसित किए जा सकते हैं।मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने हाल में कहा था कि साफ्टवेयर नौकरियां और एमबीए डिग्री का दौर अब खत्म हो रहा है और वेल्डिंग, महत्व देना चाहिए। महज डिग्री लेने से कुछ बदलने वाला नहीं। इसलिए बेहतर होगा कि युवा किसी न किसी कौशल से लैस हों। इसी तरह वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा था कि मौजूदा विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रम छात्रों को न तो नौकरी के लिए पर्याप्त रूप से तैयार करते हैं और न ही उद्यमी बनने के लिए।

नरक चतुर्दशी पर दादाजी धाम में यमदीपदान और श्रीकृष्ण पूजन

मथुरा से लाई गई विशेष पोशाक लड्डू गोपाल को अर्पित, दीपावली पर आज होगा गोपाल सहस्त्रनाम और श्री सूक्त पाठ

भोपाल, रायसेन रोड, पटेल नगर स्थित जागृत एवं दर्शनीय तीर्थस्थल श्री दादाजी धाम मंदिर में नरक चतुर्दशी एवं छोटी दीपावली का पर्व श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान यमराज का पूजन एवं यमदीपदान किया गया। वहीं भगवान लड्डू गोपाल को मथुरा से लाई गई आकर्षक नीले रंग की सुनहरी किनारी वाली विशेष पोशाक श्रद्धालुओं ने अर्पित की। मंदिर के पुजारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से पूजन कराया। मंदिर में विराजित श्री राधा-कृष्ण की प्रतिमाओं का भी आकर्षक श्रृंगार किया गया।

पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वध कर उसके अत्याचारों से लोगों को मुक्ति दिलाई थी। इसी विजय की स्मृति में नरक चतुर्दशी मनाई जाती है। इस दिन अभ्यंग स्नान, यमराज के निमित्त दीपदान और भगवान श्रीकृष्ण के



पूजन का विशेष महत्व है। यह पर्व अधर्म पर धर्म और अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। पूजन एवं शांति पाठ के बाद श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया।

दीपावली पर आज होगी विशेष आराधना

कार्तिक अमावस्या पर दीपावली के अवसर पर मंदिर में भगवान गणेश, माता महालक्ष्मी, भगवान कुबेर एवं लक्ष्मी-नारायण का पूजन किया जाएगा। इस दौरान गोपाल सहस्त्रनाम एवं श्री सूक्त पाठ होगा। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सुख-समृद्धि, आरोग्य, धन-धान्य और विश्व शांति की मंगलकामना की जाएगी।

धार्मिक मान्यता के अनुसार दीपावली पर भगवान श्रीराम के चौदह वर्ष का वनवास पूर्ण कर अयोध्या लौटने की खुशी में दीप जलाए गए थे। समुद्र मंथन से माता महालक्ष्मी के प्राकट्य की मान्यता के कारण भी इस दिन लक्ष्मी पूजन का विशेष महत्व है। दीपावली का पर्व घर-परिवार के साथ मन के अंधकार को दूर कर ज्ञान, सद्भाव और सकारात्मकता का प्रकाश फैलाने का संदेश देता है।

अध्यक्ष शिवरतन नामदेव एवं ट्रस्टियों ने सभी श्रद्धालुओं को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए परिवारों में सुख, शांति, आरोग्य और समृद्धि की कामना की।

शिवरतन नामदेव अध्यक्ष श्री श्री 1008 श्री दादाजी गुरुदेव चेरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) भोपाल।

जानकारी

सैलरी और पेंशन पर आ सकता है बड़ा अपडेट

नई दिल्ली. केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बड़ी खबर सामने आई है. 8वें वेतन आयोग ने अपने देशव्यापी दौरे के तहत उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 22 और 23 जून को अहम बैठक तय की है. इस बैठक में केंद्रीय सरकारी संस्थानों, कर्मचारी यूनियनों और संगठनों की मांगों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी.आयोग का मकसद कर्मचारियों की समस्याओं और सुझावों को सीधे सुनना है ताकि नई वेतन संरचना तैयार करते समय कर्मचारियों की जरूरतों को ध्यान में रखा जा सके. आयोग ने स्पष्ट किया है कि लखनऊ बैठक में शामिल होने के लिए उत्तर प्रदेश की कर्मचारी यूनियनों को 10 जून 2026 तक एनआईसी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा.आयोग ने अपॉइंटमेंट प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाया है. यूनियनों को पहले अपना मांग पत्र आयोग के आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड करना होगा. मांग पत्र सफलतापूर्वक जमा होने के बाद एक यूनिक मेमो आईडी जारी की जाएगी. इसी मेमो आईडी के जरिए यूनियनें बैठक के लिए अपॉइंटमेंट ले सकेंगी.इस बीच आयोग ने सभी केंद्रीय कर्मचारी यूनियनों और पेंशनर्स एसोसिएशन्स से 31 मई 2026 तक अपनी सिफारिशें और मांग पत्र जमा करने को कहा है.

देश के बड़े कर्मचारी संगठन जैसे एनसी-जेसीएम और एआईडीईएफ

शिक्षा

तराई की खुशबू से भरपूर लखीमपुर खीरी के कच्चे केले के कोफ्ते

उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा जिला लखीमपुर खीरी सिर्फ अपनी हरियाली, तराई और गन्ने की खेती के लिए ही नहीं, बल्कि अपने पारंपरिक स्वादों के लिए भी खास पहचान रखता है. नेपाल सीमा से सटे इस इलाके की रसोई में मिट्टी की सोंधी खुशबू, देसी मसालों का संतुलन और घर जैसा स्वाद हर व्यंजन में महसूस होता है. इन्हीं पारंपरिक व्यंजनों में ÷कच्चे केले के कोफ्ते÷ ऐसी शाही डिश मानी जाती है, जो आज भी यहां के केले का इस्तेमाल सिर्फ साधारण सब्जी के रूप में नहीं, बल्कि बेहद खास अंदाज में किया जाता है. यहां बनने वाले केले के कोफ्ते इतने मुलायम और रेशमी होते हैं कि मुंह में जाते ही घुल जाते हैं. इस डिश की सबसे बड़ी खासियत इसका संतुलित स्वाद है, जिसमें मसाले केले के प्राकृतिक स्वाद को दबाते नहीं बल्कि उसे और निखार देते हैं.सबसे पहले कच्चे केलों को हल्का उबाल लें. ध्यान रखें कि केले पूरी तरह गलें नहीं, बस इतने नरम हो जाएं कि आसानी से मैश किए जा सकें. अब केले का छिलका हटाकर उन्हें अच्छे से मैश करें. इसमें भुना बेसन, हरी मिर्च, अदरक, अजवाइन, हींग, नमक और लाल मिर्च डालकर मिश्रण तैयार करें.

34 लाख रुपये तक की कटौती, भारत में असेंबलिंग शुरू होते ही बदले दाम

नई दिल्ली. लग्जरी खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिएको लेकर बड़ी खबर सामने आई है. ने भारत में अपनी लोकप्रिय ऑफ-रोड की लोकल असेंबली शुरू कर दी है. इसके बाद कंपनी ने चुनिंदा वेरिएंट की कीमतों में 34 लाख रुपये तक की कटौती की है. कीमतों में इस बदलाव से पहले के मुकाबले अधिक किफायती हो गई है, हालांकि यह अब भी प्रीमियम लग्जरी श्रेणी में आती है. कंपनी अब महाराष्ट्र के पुणे स्थित अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में 110 के चुनिंदा वेरिएंट को असेंबल कर रही है. पहले इन गाड़ियों को पूरी तरह निर्मित यूनिट यानी ष्ठक्क के रूप में विदेश से भारत लाया जाता था. लोकल असेंबली से आयात लागत में कमी आने की उम्मीद है, जिसका फायदा ग्राहकों को कम कीमत के रूप में मिला है. नई कीमतों के साथ एक बार फिर भारतीय लग्जरी बाजार में चर्चा का विषय बन गई है.कीमतों में आई कमी का सबसे बड़ा कारण इसकी भारत में लोकल असेंबली को माना जा रहा है. अब तक कंपनी इस को स्लोवाकिया से पूरी तरह निर्मित यूनिट के रूप में भारत में आयात करती थी. इस प्रक्रिया में आयात शुल्क और अन्य संबंधित लागतें वाहन की अंतिम कीमत को प्रभावित करती थीं.



ग्राम पंचायत आसलपुर में सरपंच विमला देवी ने पंचायत भवन में किया पदभार ग्रहणग्रामीणों की मौजूदगी में संभाली जिम्मेदारी, विकास कार्यों को प्राथमिकता देने की जताई उम्मीद

गौरव पारीक। सिटी चीफ

जयपुर (आसलपुर), ग्राम पंचायत आसलपुर की नवनिर्वाचित सरपंच विमला देवी के साथ में रामपाल बभोबोरीया ने पंचायत भवन में विधिवत रूप से पदभार ग्रहण किया। इस दौरान पंचायत भवन में ग्रामीणों एवं गणमान्य लोगों की मौजूदगी रही। पदभार ग्रहण करने के साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत की जिम्मेदारी संभाली।

इस अवसर पर ग्रामीणों ने सरपंच विमला देवी का स्वागत किया उन के साथ में ग्राम पंचायत आसलपुर की की नवगठित कार्यकारिणी सदस्य छितर मल कुमावत उपसरपंच वार्ड पंच सुमन कुमावत कमलेश मार्बल भीमाराम कुमावत मोनिका कुमावत रमेश चंद कुमावत चेतन कुमावत चंद्रकांता कुमावत ममता देवी सज्जन सिंह परीक्षित कुमार सिंह सीता देवी मंजू कुमारी भीतरमल कुमावत सहित नोरंती देवी कुमावत महावीर सिंह उमाशंकर वर्मा वार्ड पंच मौजूद रहे

तथा उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में ग्राम पंचायत में विकास कार्यों को गति मिलेगी और आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान होगा।

सरपंच विमला देवी ने ग्राम पंचायत के विकास, स्वच्छता, मूलभूत सुविधाओं और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही।

लखीसराय अपराध नियंत्रण व अवैध कारोबार पर सख्ती- फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए तेज होगी कार्रवाई

उत्तम कुमार। सिटी चीफ



लखीसराय (बिहार), लखीसराय जिले में विधि-व्यवस्था को मजबूत बनाने, अपराध नियंत्रण और अवैध गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाने को लेकर जिला प्रशासन बेहद सख्त हो गया है। जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार एवं पुलिस अधीक्षक प्रेरणा कुमार ने संयुक्त रूप से समाहरणालय स्थित डीएम कार्यालय प्रकोष्ठ में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में विधि-व्यवस्था, जिला स्तरीय निगरानी समिति, एनसीओआरडी (ह्रष्टह्लञ्ज) समिति और मद्य निषेध से जुड़े मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई और अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए।

लंबित मामलों में तेजी लाने और सीसीटीवी दुरुस्त करने का निर्देश

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित कुर्की-जप्ती के मामलों में तेजी लाएं और फरार चल रहे अभियुक्तों के विरुद्ध नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई करते हुए उन्हें जल्द गिरफ्तार करें। सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के उद्देश्य से उन्होंने सभी थाना परिसरों में खराब पड़े सीसीटीवी कैमरों को शीघ्र दुरुस्त कराने का आदेश दिया। साथ ही, निर्माणाधीन थाना भवनों के कार्य को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने को कहा।

गांजा और शराब तस्करों पर टूटेगा कानून का शिकंजा

अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर नाराजगी जताते हुए डीएम ने गांजा तस्करी के खिलाफ जिले में सघन छापेमारी अभियान चलाने और इसमें संलिप्त लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजने का निर्देश दिया। मद्य निषेध की समीक्षा करते हुए उत्पाद एवं पुलिस विभाग को संयुक्त रूप से अवैध शराब के खिलाफ लगातार अभियान चलाने को कहा गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि शराब तस्करों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए और तस्करी में इस्तेमाल होने वाले वाहनों को तुरंत जब्त किया जाए। इसके अलावा, महिला थाना और अनुसूचित जाति-जनजाति थाना के निर्माणाधीन भवनों के कार्य को भी जल्द पूरा कराने पर जोर दिया गया।जिलाधिकारी ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखना और अपराध व अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण पाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में अपर समाहर्ता नीरज कुमार, डीडीसी सुमित कुमार, एसडीओ प्रभाकर कुमार, एसडीपीओ शिवम कुमार, भूमि सुधार उप समाहर्ता राहुल कुमार, सिविल सर्जन डॉ. जयप्रकाश सिंह, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी मुकुल पंकज मणि सहित संबंधित विभागों के सभी वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कर्मी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

मुंगेर पुल पर अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार को कुचला, मौके पर ही दर्दनाक मौत

उत्तम कुमार। सिटी चीफ



बेगूसराय (बिहार), बेगूसराय जिले के साहेबपुरकमाल थाना क्षेत्र अंतर्गत मुंगेर पुल (ह्र॥-333क्र) पर शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा सामने आया। यहाँ एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार युवक की घटना स्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक को संभलने का मौका तक नहीं मिला।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान मुंगेर जिले के शामपुर थाना क्षेत्र स्थित पुरुषोत्तमपुर (वार्ड नंबर 3) निवासी गुरुदेव साह के 26 वर्षीय पुत्र संजीवन कुमार के रूप में की गई है। बताया जाता है कि संजीवन अपनी बहन को उसकी ससुराल (बेगूसराय के बलिया थाना अंतर्गत दनौली फुलवरिया) छोड़कर बाइक (रजिस्ट्रेशन नंबर ॥क्र-98-श्च-6250) से अकेले वापस अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान मुंगेर पुल पर वह हादसे का शिकार हो गया। शुरुआत में वाहन के हरियाणा नंबर होने के कारण भ्रम की स्थिति बनी थी, लेकिन बाद में युवक की सही पहचान स्थापित कर ली गई।

घटना की सूचना मिलते ही साहेबपुरकमाल थानाध्यक्ष राजेश कुमार पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस प्रशासन ने घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी है, जिसके बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त बाइक को जब्त कर लिया है और घटना को अंजाम देकर फरार हुए अज्ञात ट्रक व उसके चालक की तलाश के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

दीपावली मिलन कार्यक्रम में पत्रकारों ने दिया आपसी भाईचारे और सहयोग का संदेश पत्रकार समाज और राष्ट्र के हित में समर्पण भाव से करें कार्य - दलबीर सिंह मलिक



अश्विनी वालिया। सिटी चीफ

कुरुक्षेत्र (हरियाणा)। ऑल इंडिया पत्रकार एकता संघ की जिला कुरुक्षेत्र इकाई की ओर से एक निजी होटल में दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संघ के पदाधिकारियों एवं पत्रकार साथियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और एक-दूसरे को दीपावली पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। समारोह में ऑल इंडिया पत्रकार एकता संघ के मुख्य प्रदेश संरक्षक दलबीर सिंह मलिक, प्रदेश मुख्य सलाहकार राजकुमार वालिया तथा प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी वालिया विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुख्य प्रदेश संरक्षक दलबीर सिंह मलिक ने सभी पत्रकार साथियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पत्रकारों को समाज और राष्ट्र के हित में पूरी निष्ठा एवं समर्पण भाव से कार्य करना चाहिए। पत्रकारिता केवल समाचारों के प्रकाशन तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को सही दिशा दिखाने और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि दीपावली मिलन एवं होली मिलन जैसे आयोजन आपसी प्रेम, सौहार्द, भाईचारे और संगठनात्मक एकता को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे कार्यक्रमों से एक-दूसरे के साथ विचार साझा करने और आपसी संबंधों को प्रगाढ़ बनाने का अवसर मिलता है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से आह्वान किया कि वे संगठन की मजबूती के लिए मिल-जुलकर कार्य करें, एक-दूसरे का सहयोग करें और समाजहित के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रधान गुरदीप सिंह गुजराल ने की, जबकि मंच संचालन जिला महासचिव सुधीर कुमार ने किया। इस अवसर पर संजीव गोयल, कुलवंत सिंह बग्गा, धर्म सिंह जोगना खेड़ा, राजेश भटनागर, अमित गर्ग, करण होरी, हरिदास चनालिया सहित अनेक पत्रकार साथी उपस्थित रहे। सभी ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में अपना पूर्ण सहयोग दिया और एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।अंत में सभी ने संगठन की एकता, मजबूती और समाजहित में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।



कुष्ठ रोगियों को भोजन कराने की 50 वर्ष पुरानी परंपरा को चौकसी वाला ने रखा जीवंत

अतुल कुमावत। सिटी चीफ

ब?वानी, कुछ लोग ऐसे होते हैं जो अपनी परंपराओं को आत्मसात कर नई पी?ी में भी उसे सिंचित करते रहते हैं।

ऐसा ही कुक्षी का चौकसीवाला परिवार है जिनके दिवंगत मुखिया स्वर्गीय नंदकिशोर जी सोनी के द्वारा प्रतिवर्ष दीपावली के अवसर पर आशाग्राम ट्रस्ट सृजन के भी पूर्व राजघाट तट से प्रारंभ की गई कुष्ठ रोगियों एवं वंचितों को भोजन कराने की परंपरा आज भी उनके पुत्र और पोते निभा रहे हैं। स्वर्गीय सोनी जी जब आशाग्राम आते थे तो वह अपने साथ उनके पुत्र और फिर बाद में पौत्र को भी लेकर आते थे। उसी का परिणाम है कि परिवार में सेवा भावना व्यवसाय के साथ-साथ चल रही है। चौकसी वाला परिवार के द्वारा वर्ष 2021 में जहां निराश्रित मनोरोगियों के लिए आशा आश्रय गृह की नींव रखी वही उसका 5 वर्ष तक स्वयं के व्यय से संचालन भी किया। वर्तमान में यह ट्रस्ट के द्वारा जन सहयोग से संचालित होने लगा है। श्री राजेंद्र सोनी चौकसी वाला ने ट्रस्ट के सचिव डॉ चक्रेश पहा?या एवं उनकी टीम की प्रशंसा करते हुए सभी को आशा आश्रय गृह के संचालन में विशेष योगदान देने के लिए प्रशंसा की। उन्होंने दीपावली के पावन अवसर पर कुष्ठ रोगियों एवं मनोरोगियों को भोजन करवाया । यह उनके परिवार की 50 वर्ष पुरानी परंपरा है जिसे उन्होंने निर्वाह किया।इस दौरान उन्होंने आशा आश्रय गृह को आर्थिक अंशदान भी भेंट किया वहीं स्वयंसेवकों को भी दीपावली उपहार दिया।इस दौरान श्री प्रवीण सोनी चौकसी वाला, ट्रस्ट परिवार के डॉ मदन सिंह सोलंकी, डॉ मयंक पाटीदार, डॉ राहुल पाटीदार, डॉ केपी सिंह,अशोक दोषी डॉ रश्मि पाटीदार, सचिन दुबे, मनीष पाटीदार, साधना भावसार श्री प्रतीक शर्मा मुनीम जी आदि उपस्थित रहे।

महापौर ने कुम्हार के घर पहुंचकर जाना हाल, स्वयं बनाए मिट्टी के दीपक स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित करने का दिया संदेश

मौसम ताम्रकार। सिटी चीफ



सतना, आज महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने एक कुम्हार के घर पहुंचकर उनके परिवार का कुशलक्षेम जाना और उनके पारंपरिक व्यवसाय एवं आजीविका के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस दौरान महापौर ने स्वयं मिट्टी के दीपक बनाने का प्रयास भी किया तथा मिट्टी से बने घरेलू उत्पादों एवं अन्य स्वदेशी वस्तुओं की खरीदारी की।महापौर ने कहा कि हमारे स्थानीय कारीगर और पारंपरिक शिल्पकार देश की सांस्कृतिक विरासत के संवाहक हैं। उनके हुनर और मेहनत को सम्मान देना हम सभी की जिम्मेदारी है। हमें बाजार में उपलब्ध विदेशी उत्पादों के स्थान पर स्वदेशी एवं स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि त्योहारों एवं दैनिक उपयोग में मिट्टी से बने दीपक और अन्य घरेलू उत्पाद खरीदकर स्थानीय कारीगरों को प्रोत्साहित करें। इससे न केवल उनकी आजीविका को मजबूती मिलेगी, बल्कि स्वदेशी, आत्मनिर्भर भारत और स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा।

लोटखेड़ी में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पुनः स्थापित विधायक सिसोदिया एवं सामाजिक संगठनों ने किया भव्य अनावरण

प्रदीप जीनगर। सिटी चीफ



मंदसौर (भानपुरा)= मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले की भानपुरा तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम लोटखेड़ी में कुछ दिनों पूर्व असामाजिक तत्वों द्वारा परम पूज्य बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने के मामले में भानपुरा के लौटखेड़ी में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा अनावरण में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों ने त्वरित कार्रवाई की है। क्षेत्र में बढ़े आक्रोश को देखते हुए वादे के मुताबिक नई भव्य प्रतिमा को पुनः स्थापित कर दिया गया है। इस नवनिर्मित प्रतिमा का क्षेत्रीय विधायक चंदर सिंह सिसोदिया एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों और ग्रामीणों की उपस्थिति में भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने पूरे विधि-विधान से अनावरण किया गया।

नवंबर 2026 के शुरुआती सप्ताह में ग्राम लोटखेड़ी में रात्रि के समय कुछ अज्ञात असामाजिक तत्वों ने सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की नियत से डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया था। सुबह जैसे ही ग्रामीणों को इसकी भनक लगी, पूरे गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में भारी आक्रोश फैल गया। भीम आर्मी सहित कई सामाजिक संगठनों ने उग्र प्रदर्शन करते हुए पुलिस व प्रशासन को अल्टीमेटम दिया था कि आरोपियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (ह्रङ्क) के तहत कार्रवाई की जाए और तीन दिनों के भीतर उसी स्थान पर नई प्रतिमा स्थापित की जाए।

प्रशासन और क्षेत्रीय विधायक की त्वरित पहल

घटना की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। विधायक सिसोदिया ने भी इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की थी और समाज को आश्वस्त किया था कि बाबा साहब समाज के हर वर्ग के आदर्श हैं और उनके सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने युद्ध स्तर पर काम करते हुए निर्धारित समयावधि के भीतर नई प्रतिमा की व्यवस्था की।

जय भीम के नारों से गूंजा लौटखेड़ी, हुआ अनावरण

शनिवार को नई प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम के दौरान पूरा गांव %बाबा साहब अमर रहें% और %जय भीम% के नारों से गुंजायमान हो उठा। क्षेत्रीय विधायक सिसोदिया ने रिबन काटकर और बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विधिवत अनावरण किया। भीम आर्मी और अन्य प्रगतिशील सामाजिक संगठनों के वरिष्ठ नेता व पदाधिकारी इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने , साथ ही किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए कार्यक्रम स्थल और पूरे गांव में पुलिस बल तैनात रहा।

÷विचारों को नहीं मिटाया जा सकता÷ ङ्क विधायक सिसोदिया

अनावरण के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए विधायक सिसोदिया ने कहा, ÷कुछ असामाजिक तत्व पत्थरों की प्रतिमाओं को तो नुकसान पहुंचा सकते हैं, लेकिन बाबा साहब के विचारों, समानता और संविधान के प्रति उनकी क्रांति को समाज के दिलों से कभी नहीं मिटा सकते। प्रशासन दोषियों को ढूंढ निकालने के बेहद करीब है और उन्हें ऐसी कड़ी सजा दी जाएगी जो एक मिसाल बनेगी।÷सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई की सराहना की, लेकिन साथ ही चेतावनी दी कि जब तक असली गुनहगार जेल की सलाखों के पीछे नहीं पहुंच जाते, समाज चैन से नहीं बैठेगा। लोटखेड़ी में प्रतिमा की पुनः स्थापना ने यह साबित कर दिया है कि जनता की एकजुटता और प्रशासन की मुस्तैदी से असामाजिक तत्वों के मंसूबों को नाकाम किया जा सकता है। वर्तमान में गांव में शांति है और भाईचारा बहाल रखने के लिए पुलिस लगातार गश्त कर रही है।

धन्वंतरि जयंती पर चिकित्सकों का सम्मान निरोगी स्वस्थ जीवन ही धन और आधुनिक धन्वंतरि हैं चिकित्सक - स्वामी भारत भूषण

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

सहारनपुर (उ.प्र.)। भगवान धन्वंतरि की कहानी देवासुर संग्राम तक ही सिमट कर रह जाने वाली घटना नहीं, जब तक मनोकाय रोग रहेंगे तब तक मानवता को इस अवतार की आवश्यकता बनी ही रहेगी। जैसे माता- पिता धरती पर भगवान हैं इसी तरह मानवता को रोगों से उबारने में दिन-रात लगे चिकित्सक आज के धन्वंतरि ही हैं, भले वो किसी भी पद्धति के हों। ये ब?ी बात है कि आक्रांताओं के हमलों और अज्ञानता के कारण आयुर्वेद लुप्तप्राय हो जाने पर भी भगवान धन्वंतरि ने आधुनिक चिकित्सा पद्धति के रूप में नित नए शोधों के साथ महर्षि चरक और सुश्रुत की परंपरा को जीवंत बनाये रखा है। आज मोक्षायतन अंतर्राष्ट्रीय योग संस्थान में आयोजित धन्वंतरि जयंती पर विविध चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञों का सत्कार करते हुए पद्मश्री स्वामी डॉ भारत भूषण ने ये भाव व्यक्त करते हुए निरोगी स्वस्थ जीवन को ही धन और आधुनिक धन्वंतरि हैं चिकित्सक। उन्होंने संस्थान की ओर से आज के आयोजन में मौजूद रहे प्रसिद्ध आयुर्वेद सर्जन डा. विनोद गुप्ता, यूरोलॉजिस्ट डा. शरद अग्रवाल, वरिष्ठ फिजीशियन डा. सुदर्शन नागपाल व डा. अशोक गुप्ता, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वर्णजीत सिंह, पीड़ा निवारण विशेषज्ञ डॉ. वर्षा अग्रवाल और डॉ. राम केवल यादव को तिलक अक्षत व अंगवस्त्र से सम्मानित किया। इस अवसर पर अपने सारगर्भित संबोधन में डा विनोद गुप्ता ने धन्वंतरि की परंपरा को अद्यतन बनाए रखने में ज्ञान विज्ञान की नगरी काशी के योगदान को सराहते हुए बताया कि विदेशों में भी सर्जरी के जनक महर्षि सुश्रुत की प्रतिमाएं स्थापित की जाने लगी हैं। उन्होंने आज की जीवन शैली में स्वस्थ वृत्त के सूत्र भी यहाँ मौजूद लोगों को दिये। वरिष्ठ साधक नन्द किशोर शर्मा व ललित वर्मा के कुशल संयोजन में हुए कार्यक्रम में डॉ शरद अग्रवाल ने बताया कि ये आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के गहरे रिश्ते का प्रमाण है कि हम गंभीर रोगों को भी लाइ? स्टाइल डिजीजेज के रूप में देखने के कारण ही सफल हो पा रहे हैं। डा. स्वर्णजीत सिंह ने चिकित्सा विज्ञान को धन्वंतरि की न?र से देखे जाने के लिए जीवन मूल्यों पर चलने का साहस करने की आवश्यकता पर बल दिया। डा. सुदर्शन नागपाल, डा. वरिष्ठ साधक हेमंत अरोरा, अमर नाथ, ऋषिपाल सिंह, मुकेश शर्मा, पूनम वर्मा नंद किशोर शर्मा आदि सहित मोक्षायतन योगाश्रम साधक परिवार के साथ भगवान धन्वंतरि की स्तुति और आरती करने का आनंद लेने के साथ ही आयुर्वेदिक प्रसाद ग्रहण करके सर्व कल्याण शंख उद्घोष से कार्यक्रम का समापन किया।

वोकल फॉर लोकल' का संदेश - बड़वानी में नपाध्यक्ष ने शहर के कारंजा चौराहे पर स्थानीय बाजार से की दीपावली की खरीदारी

अतुल कुमावत। सिटी चीफ



बड़वानी, बड़वानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' के विजन को धरातल पर उतारते हुए बड़वानी नगर पालिका के अध्यक्ष अश्विनी निक्कू चौहान ने एक अनूठी पहल की है। दीपावली के पावन पर्व पर उन्होंने अपने परिवार के साथ स्थानीय कारंजा चौराहे में सजे दीवाली बाजार का दौरा किया और दिल खोलकर स्वदेशी एवं स्थानीय पूजन सामग्री की खरीदारी की।

कारंजा चौराहे के लोकल बाजार में पहुंचे नपा अध्यक्ष अश्विनी निक्कू चौहान ने पारंपरिक रूप से मिट्टी के दीये बनाने वाले कुम्हारों और स्थानीय दस्तकारों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने बाजार से मिट्टी से बनी लक्ष्मी-गणेश की आकर्षक मूर्तियां, सुंदर दीये, लाई-बताशे, झाड़ू, मोरपंख, रंगोली और पूजन की अन्य आवश्यक सामग्री खरीदी। इस दौरान उन्होंने स्थानीय दुकानदारों और कारीगरों से बातचीत कर उनका हाल-चाल भी जाना।

मीडिया से चर्चा करते हुए नपा अध्यक्ष अश्विनी निक्कू चौहान ने सभी नागरिकों से पुरजोर अपील की कि वे इस साल के सबसे बड़े त्योहार दीपावली पर केवल बड़े मॉल्स या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की बजाय अपने आसपास के छोटे दुकानदारों, स्थानीय कलाकारों और कुम्हारों से भी खरीदारी करें। उन्होंने कहा, 'हमारे छोटे कारोबारियों और दस्तकारों की दीवाली की खुशियां हमारी ही खरीद पर निर्भर करती हैं। जब हम स्थानीय स्तर पर खरीदारी करते हैं, तो उनके घरों में भी दीये रोशन होते हैं।'

नपा अध्यक्ष ने जानकारी दी कि नागरिकों की सुविधा और त्योहार के सुचारू संचालन के लिए नगर पालिका प्रशासन द्वारा इस बार शहर में खास इंतजाम किए गए हैं। इसके तहत कारंजा चौराहे में पूजन सामग्री, दशहरा मैदान में आतिशबाजी (पटाखे), और झंडा चौक रणजीत चौक में फूल-मालाओं की बिक्री के लिए विशेष बाजार सजाए गए हैं, ताकि लोगों को एक ही स्थान पर सारी सुविधाएं मिल सकें।अंत में, उन्होंने नगर के सभी नागरिकों से इस महापर्व को आपसी भाईचारे और हर्षोल्लास के साथ मनाने तथा प्लास्टिक या विदेशी वस्तुओं से दूरी बनाकर स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया।

कमिश्नर एवं डीएम ने दीपावली पर्व पर दीं शुभकामनाएंसहारनपुर मंडल के समस्त मंडल वासियों को धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भैया दूज के पावन अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं - मंडलायुक्त डॉक्टर रूपेश कुमार

गौरव सिंघल। सिटी चीफ



सहारनपुर, मण्डलायुक्त डॉक्टर रूपेश कुमार ने दीपावली पर्व पर मंडलवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। अपने शुभकामना संदेश में उन्होंने कहा है कि पर्वों के इस उल्लास को हम सब मिलकर मनाएं। उन्होंने कामना की कि यह प्रकाश पर्व सभी के जीवन में सुख, संपन्नता और सौभाग्य लेकर आए। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि अभिभावक पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखते हुए बच्चों से अपनी निगरानी में पूरी सावधानी के साथ इको फ्रैंडली दीपवाली मनाएं। पर्वों के आयोजन के साथ हमारी जिम्मेदारी है कि पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखा जाए। सभी नागरिक स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल दीपावली मनाने का संकल्प लें। डॉक्टर रूपेश ने कहा कि मेरी मंगलकामना है कि धनतेरस सभी के जीवन में आरोग्य और वैभव का संचार करे, दीपावली का प्रकाश परिवारों में नई उमंग एवं आशा जगाए, गोवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति हमारी संवेदनशीलता को और सुदृढ़ करे तथा भैया दूज पारिवारिक रिश्तों में स्नेह एवं विश्वास की मिठास बढ़ाए। सहारनपुर मंडल की सांस्कृतिक समृद्धि, आर्थिक प्रगति, सामाजिक एकजुटता और विकास की यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहे। यहां के सभी नागरिक सुखी, सुरक्षित एवं समृद्ध जीवन व्यतीत करें और हमारा मंडल आपसी विश्वास, सौहार्द एवं सामूहिक उन्नति के नए प्रतिमान स्थापित करे। जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान ने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विजय एवं प्रकाश के पर्व को शान्ति एवं सौहार्दपूर्ण ?ंग से मिलजुलकर मनाएं। उन्होंने प्रकाश व खुशियों के महापर्व पर सभी के जीवन में नई ऊर्जा, प्रकाश, आरोग्य और समृद्धि लाने की कामना की है। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने लोगों को पर्यावरण के प्रति सचेत रहने, सुरक्षित तरीके से दीपावली मनाने और पर्यावरण के अनुकूल ग्रीन पटाखे जलाकर पर्व मनाने की अपील की है। डीएम अरविंद कुमार चौहान ने कहा कि त्योहारों की खुशियां समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचें। हम अपने आसपास के जरूरतमंद, वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को भी उत्सव की खुशियों में सहभागी बनाएं। किसी जरूरतमंद के घर दीप जलाना, किसी के चेहरे पर मुस्कान लाना और किसी परिवार की खुशियों में सहभागी बनना ही पर्वों की वास्तविक सार्थकता है। हमारी खुशियां तभी पूर्ण होंगी, जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति स्वयं को सम्मानित, सुरक्षित और सहभागी महसूस करेगा।इस दीपोत्सव को स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार नागरिकता के संकल्प के साथ मनाएं। स्वच्छ, सुरक्षित एवं हरित दीपावली को अपनाएं, अनावश्यक आतिशबाजी से बचें तथा ध्वनि एवं वायु प्रदूषण को कम करने में अपना योगदान दें। बच्चों, बुजुर्गों और अस्वस्थ व्यक्तियों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। गोवर्धन पूजा के अवसर पर प्रकृति, जल, हरियाली और गोवंश के संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी आत्मसात करें। त्योहारों के दौरान अपने घरों, मोहल्लों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में सहयोग करें। स्वच्छ, सुंदर और सुरक्षित सहारनपुर का निर्माण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान ने कहा कि मेरी हार्दिक कामना है कि धनतेरस प्रत्येक परिवार के जीवन में उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि लेकर आए, दीपावली का प्रकाश दूर कर नई उम्मीदों का संचार करे, गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति एवं जीव-जंतुओं के संरक्षण के प्रति और अधिक संवेदनशील बनाए तथा भैया दूज भाई-बहन के रिश्तों में प्रेम और विश्वास को और प्रगाढ़ करे।

सहारनपुर -महंगाई और बाजार में उतार-चढाव के बावजूद दीपावली पर लोगों ने जमकर की खरीददारी सहारनपुर में 50 करोड का आभूषणों का कारोबार और 30 कारें बिकी

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

सहारनपुर/देवबंद (उ.प्र.)। धनतेरस और छोटी दीपावली को सहारनपुर जनपद के बाजारों में खूब चहल-पहल रही और लोगों ने जमकर खरीददारी की। किसी ने नए वाहन तो किसी ने बर्तन, इलेक्ट्रानिक एवं सजावटों के सामान खरीदे। सर्राफा बाजार में सोने-चांदी सिक्के और आभूषणों की खरीददारी रही।धनतेरस और दीपावली को जनपद में करीब सा? तीन सौ, चार सौ करो? का कारोबार होने की उम्मीद है। सहारनपुर में तनिष्क के स्वामी आशीष गुप्ता ने बताया कि 10 ग्राम का चांदी के सिक्का 2450 रूपए में बिका। पिछले साल इसकी कीमत 2100 रूपए थी। प्रमुख ज्वैलर्स रामराजीव सिंघल ने बताया कि कारोबार में पिछली दीपावली की तुलना में 30 से 35 फीसद की गिरावट दर्ज की गई। देवबंद में अजय गर्ग उर्फ बिट्टा सर्राफ ने बताया कि सोने-चांदी एवं अन्य कीमती धातुओं के ऊंचे दामों के बावजूद ग्राहक ब?ी संख्या में खरीददारी के लिए निकले। इलेक्ट्रानिक्स की दुकानों पर भी चहल-पहल रही। वाहन कारोबारी निपुण जैन ने बताया कि दो दिनों में 152 वाहनों की बिक्री हुई। अजय आर्य के शोरूम से 50 बाइकें और स्कूटी ली। कार शोरूम के संचालक राघव ने बताया कि दो दिनों में 21 कारें बिकीं, लिंक रो? शोरूम के मालिक हरवीर सिंह बाबा ने बताया कि रात तक सा? सौ दोपहिया वाहन बिके। देवबंद में अमित ने बताया कि धनतेरस पर बर्तन खरीद की परंपरा के चलते लोगों ने पीतल और तांबे के बर्तनों में ज्यादा रूचि दिखाई। कूकर, डिनर सेट, गिलास, थाली, कटोरी, चम्मच, तांबे की बोतल, नान स्टीक बर्तन, पीतल और कांसे के बर्तनों की भारी बिक्री हुई। उन्होंने बताया कि पिछले साल से कीमतें 20 से 25 फीसद ब? होने के कारण ग्राहकों ने खरीद में तंगी दिखाई।उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष शीतल टंडन ने बताया कि हिंदुओं के इस प्रमुख त्यौहार पर खरीददारी को लेकर लोगों में उत्साह, जोश एवं उमंग खूब दिखा। देवबंद में सिंघल इलैक्ट्रिकल्स शाप के स्वामी एवं बिजली सजावट के कारोबारी गौरव सिंघल ने कहा कि अबकी कारोबार उम्मीद के मुताबिक रहा है।



बड़वानी के दो युवा उद्यमियों ने खड़ा किया करोड़ों का कारोबार, सैकड़ों युवाओं को दे रहे रोजगार



बड़वानी जिले के ग्राम मोहिपुरा निवासी शिवराज सिंह मंडलोई ने अपनी मेहनत, दूरदृष्टि और निरंतर लगन से कुछ ही वर्षों में करोड़ों का व्यापार साम्राज्य खड़ा कर दिया है। शिवराज सिंह उनकी मुख्य कंपनी एग्रोपोलिस इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के अलावा उनकी कई अन्य कंपनियाँ विभिन्न क्षेत्रों में सफलतापूर्वक कार्य कर रही हैं। कृषि-आधारित उत्पाद, एवं अन्य कई विविध क्षेत्रों में उन्होंने अपना कारोबार फैलाया है।

शिवराज के पिता श्री सुनील सिंह मंडलोई सरकारी विद्यालय में अध्यापक हैं। उन्होंने हमेशा शिक्षा और ईमानदारी का महत्व समझाया। इसी प्रेरणा से शिवराज सिंह ने सिर्फ एग्रोपोलिस इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की, बल्कि कई अन्य उद्यम भी शुरू किए। उनका उद्देश्य सिर्फ व्यापार नहीं, बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार देकर क्षेत्र का विकास करना है। आज उनकी कंपनियों में सैकड़ों युवा काम कर रहे हैं।

> ÷सपने देखना जरूरी है, लेकिन उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर मेहनत और सही मार्गदर्शन जरूरी है। मेरा लक्ष्य है कि हर युवा आत्मनिर्भर बने और अपने गाँव में ही रोजगार पाए।÷ – शिवराज सिंह मंडलोई

ह्याद्धह्व स्रश्शह्वठ्ठस्रड्डह्लद्बश्ठ्ठ × ड्डद्गद्यद्धड्डह्वह्द्ग स्पष्ठद्गह्लद्ब4 ऋसेवा, शिक्षा और समर्पण की मिसाल

शवराज सिंह मंडलोई द्वारा स्थापित ह्याद्धह्व स्रश्शह्वठ्ठस्रड्डह्लद्बश्ठ्ठ × ड्डद्गद्यद्धड्डह्वह्द्ग स्पष्ठद्गह्लद्ब4 समाज सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य और जरूरतमंदों की सहायता के लिए निरंतर कार्य कर रही है। संस्था अनेक ऐसे कार्य कर रही है जो शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण, महिला सशक्तिकरण और गरीब बच्चों की सहायता से जुड़े हैं, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव लाना ही इस संस्था का मुख्य उद्देश्य है।

ग्राम केशरपुरा के रहने वाले जय सिंह मंडलोई ने भी मेहनत और लगन से अपनी अलग पहचान बनाई है। किसान परिवार से आने वाले जय के पिता श्री नारायण सिंह मंडलोई खेत में किसानी करते हैं। अतः उनके संस्कार, ईमानदारी और परिश्रम ही जय की सफलता की नींव बने।

जय सिंह ने एग्रोपोलिस इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड के सह-संस्थापक के रूप में कंपनी की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने व्यवसाय में नवीन सोच, आधुनिक प्रबंधन और बाजार विस्तार को नई दिशा दी। उनके प्रयासों से कंपनी ने अलग ऊंचाइयों को छुआ है।

जय कहते हैं कि किसान परिवार से होने के कारण वे खेती और किसान हित से जुड़ी चुनौतियों को गहराई से समझते हैं। इसी वजह से उन्होंने कंपनी में किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद और आधुनिक तकनीकी वाले कृषि उत्पाद उपलब्ध कराते हैं।> ÷मेहनत और ईमानदारी से कोई भी लक्ष्य पाया जा सकता है। मेरे पिता ने सिखाया कि जमीन से जुड़े रहो और हमेशा लोगों के लिए काम करो। आज हमारा उद्देश्य है कि युवाओं को गाँव में ही अवसर मिले।÷ – जय सिंह मंडलोई

दोनों संस्थापकों ने मिलकर बड़वानी क्षेत्र में उद्यमिता की नई मिसाल कायम की है। दोनों की साझा सोच और टीमवर्क से आज यह कंपनी युवाओं के लिए प्रेरणा बनी है।

8 पटाखा दुकानों को नोटिस जारी ,विरोध में सभी दुकानदारों ने दुकानें बंद कर शुरू किया प्रदर्शन

अतुल कुमावत। सिटी चीफ



बड़वानी, बड़वानी दीपावली की खुशियों के बीच दशहरा मैदान का पटाखा बाजार शनिवार को विरोध का केंद्र बन गया। आठ पटाखा व्यापारियों को प्रशासन की ओर से नोटिस जारी किए जाने के बाद विवाद गहरा गया। नाराज व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं और मैदान में ही जमीन पर बैठकर विरोध जताया। व्यापारियों का कहना है कि जब तक नोटिस का निराकरण नहीं होता, तब तक वे दुकानें नहीं खोलेंगे।

पांच बिंदुओं पर मिली कमियां, आठ को नोटिस

यापारी अभिषेक दीक्षित ने बताया कि एसडीएम कार्यालय की ओर से पटवारी के माध्यम से आठ व्यापारियों को नोटिस दिए गए हैं। इनमें दुकानों के बीच निर्धारित तीन मीटर की दूरी नहीं होना, मौके पर लाइसेंस उपलब्ध नहीं मिलना, स्थानीय भाषा में चेतावनी बोर्ड नहीं लगाना और अग्नि सुरक्षा नियमों के पालन में कमी सहित पांच बिंदुओं का उल्लेख किया गया है।

व्यापारियों ने उठाया चयनात्मक कार्रवाई का सवाल

यापारियों का कहना है कि दशहरा मैदान में कुल 48 दुकानें लगी हैं और सभी की व्यवस्था लगभग एक जैसी है। इसके बावजूद केवल आठ दुकानदारों को नोटिस जारी किए गए। यदि दुकानों में कमियां हैं तो सभी के लिए समान नियम लागू होने चाहिए। इसी मुद्दे को लेकर व्यापारियों ने नाराजगी जताते हुए दुकानें बंद रखीं।

एसडीएम बोले- लाइसेंसधारी नहीं, दूसरे लोग चला रहे थे दुकानें

सडीएम भूपेंद्र रावत ने बताया कि दशहरा मैदान में पटाखा बिक्री के लिए 50 दुकानों के लाइसेंस जारी किए गए हैं। लाइसेंस जारी होने के बाद प्रशासनिक टीम ने बाजार का निरीक्षण किया था। इस दौरान कुछ दुकानों पर लाइसेंसधारी के बजाय अन्य लोग दुकान संचालित करते मिले। इसके अलावा फायर सेफ्टी के आवश्यक संसाधन भी नहीं पाए गए। निरीक्षण में जिन दुकानों पर कमियां सामने आईं, उनमें से आठ दुकानदारों को नोटिस जारी कर सुधार करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का उद्देश्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित कराना है।

पटाखे खरीदने पहुंचे लोग लौटे खाली हाथ

इधर, व्यापारियों के विरोध के कारण पटाखा बाजार में खरीदारी ठप रही। शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से परिवारों के साथ पटाखे खरीदने पहुंचे लोगों को दुकानें बंद मिलीं। कई ग्राहक बिना खरीदारी किए ही वापस लौट गए। दीपावली के ऐन पहले उपजे इस विवाद से जहां व्यापारियों का कारोबार प्रभावित हुआ, वहीं ग्राहकों को भी परेशानी उठानी पड़ी।शनिवार दोपहर में दुकानदारों को नोटिस मिलने के बाद शाम 4 बजे दुकानदारों ने एकत्रित होकर अपना विरोध दर्ज कराते हुए पटाखा दुकान बंद कर दी। शाम 5 बजे तक फिलहाल दुकान बंद थी। अब देखना होगा कि प्रशासन और व्यापारियों के बीच कब सहमति बनती है

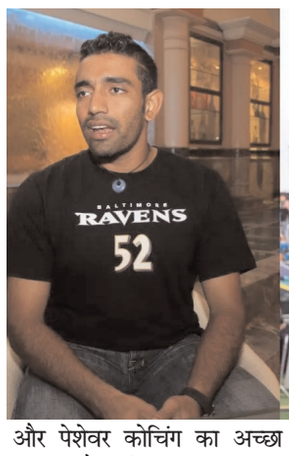


विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय महिलाओं का जलवा, मनीषा फाइनल में पहुंचीं तो तनु ने जीता कांस्य

कजाकिस्तान के अस्ताना में आयोजित सीनियर वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में भारतीय महिला पहलवानों का शानदार प्रदर्शन जारी है। मनीषा भानवाला ने 59 किलोग्राम भार वर्ग के सेमीफाइनल में मंगोलिया की बोलोरतुया खुरेलखु को शिकस्त देकर फाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही उन्होंने भारत के लिए कम से कम रजत पदक सुनिश्चित कर दिया। अब शुक्रवार को स्वर्ण पदक के मुकाबले में उनका सामना अमेरिका की एबिगेल एलिजाबेथ नेटे से होगा। मनीषा ने प्री-क्वार्टर फाइनल में कनाडा की लॉरेंस ब्यूरगार्ड को 6-2 से हराया था। इसके बाद लगातार जीत दर्ज करते हुए उन्होंने खिताबी मुकाबले तक का सफर तय किया।दूसरी ओर, 72 किलोग्राम भार वर्ग में तनु शर्मा ने कांस्य पदक अपने नाम कर भारतीय दल की पदक संख्या में इजाफा किया। उन्होंने तीसरे स्थान के मुकाबले में अमेरिका की प्रीशियस रोसन्ना बेल को 9-5 से हराया। हालांकि, 55 किलोग्राम वर्ग में अहिल्या शिंदे का सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। उन्होंने राउंड ऑफ 16 में क्यूबा की यानेलिस सानज वर्डेसिया को 8-1 से हराया था, लेकिन अगले मुकाबले में तुर्किये की तुबा डेमिर से 6-9 से हार गईं। पुरुषों के 97 किलोग्राम वर्ग में विक्की हुडा को जापान के अराश योशिदा ने 12-2 से हराया, लेकिन योशिदा के फाइनल में पहुंचने से विक्की को रेपेचेज में पदक का एक और मौका मिला है।इससे पहले बुधवार को काजल धोचक और नीलम सिरोही ने भी फाइनल में पहुंचकर भारत के लिए दो रजत पदक सुनिश्चित किए थे। 76 किलोग्राम वर्ग के खिताबी मुकाबले में 18 वर्षीय काजल को यूक्रेन की अनास्तासिया अल्पयेयेवा ने 8-6 से हराया, जबकि 50 किलोग्राम वर्ग में नीलम को जापान की चार बार की विश्व चैंपियन युई सुसाकी के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। खास बात यह रही कि काजल और नीलम पहली बार एक ही सत्र में विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय महिला पहलवान बनीं। काजल ने सेमीफाइनल में 1-7 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए किर्गिस्तान की ऐपेरी मेदेत काइजी को 10-7 से हराया था। मनीषा के फाइनल में पहुंचने और तनु के कांस्य जीतने से भारतीय महिला कुश्ती का प्रदर्शन और मजबूत हुआ है।

आईपीएल 2027 के लिए मुंबई इंडियंस का नया कोचिंग स्टाफ घोषित, पोलार्ड बने हेड कोच; उथप्पा को बैटिंग की जिम्मेदारी

आईपीएल 2027 के लिए मुंबई इंडियंस ने अपने नए कोचिंग स्टाफ की घोषणा कर दी है। टीम ने 2026 सीजन के बाद कोचिंग व्यवस्था में बदलाव करते हुए वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर कायरन पोलार्ड को हेड कोच की जिम्मेदारी सौंपी है। उनके साथ पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा, न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल मैक्लेनघन, टी. दिलीप और धवल कुलकर्णी भी नई भूमिका में नजर आएंगे। फ्रेंचाइजी ने उथप्पा को बैटिंग कोच, मैक्लेनघन को बॉलिंग कोच, टी. दिलीप को फील्डिंग कोच और धवल कुलकर्णी को डेवलपमेंट बॉलिंग कोच नियुक्त किया है।





मुंबई इंडियंस के नए कोचिंग स्टाफ के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और पेशेवर कोचिंग का अच्छा अनुभव है। रॉबिन उथप्पा 2007 में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं, जबकि मैक्लेनघन ने न्यूजीलैंड के लिए लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेला है। धवल कुलकर्णी भी भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वहीं, टी. दिलीप भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व फील्डिंग कोच के रूप में काम कर चुके हैं। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि इन अनुभवी चेहरों की मदद से खिलाड़ियों की तकनीक, फिटनेस और प्रदर्शन में सुधार होगा। पोलार्ड के नेतृत्व में कोचिंग टीम को आगामी सीजन के लिए मजबूत संयोजन तैयार करना होगा।

नए कोचिंग स्टाफ की खास बात यह है कि उथप्पा, मैक्लेनघन और धवल कुलकर्णी पहले मुंबई इंडियंस के लिए खिलाड़ी के तौर पर मैदान पर उतर चुके हैं। अब ये तीनों अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी में नई जिम्मेदारियों के साथ लौटे हैं। खुद पोलार्ड भी करीब एक दशक तक मुंबई की टीम के प्रमुख मैच विनर रहे हैं और फ्रेंचाइजी की कार्यशैली से अच्छी तरह परिचित हैं। टी. दिलीप को भी भारतीय टीम के साथ काम करने का व्यापक अनुभव है। मुंबई इंडियंस के सामने सबसे बड़ी चुनौती टीम को दोबारा खिताब दिलाने की होगी। टीम ने आखिरी बार 2020 में आईपीएल ट्रॉफी जीती थी।



एशियन चैंपियंस ट्रॉफी- भारत ने चीन को 5-2 से हराया, हरमनप्रीत और सुखजीत ने दागे दो-दो गोल

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए चीन को 5-2 से शिकस्त दी। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट में लगातार दूसरी सफलता दर्ज की। मुकाबले में कप्तान हरमनप्रीत सिंह और सुखजीत सिंह भारतीय टीम के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी रहे। दोनों ने दो-दो गोल किए, जबकि जुगराज सिंह ने एक गोल दागकर जीत में अहम भूमिका निभाई। भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और 12वें मिनट में सुखजीत सिंह के गोल से बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, चीन ने 26वें मिनट में यांग पेंग के पेनल्टी कॉर्नर गोल से बराबरी कर ली।

दूसरे हाफ में भारतीय खिलाड़ियों ने खेल की गति बढ़ाते हुए चीन पर दबाव बना दिया। 27वें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को फिर बढ़त दिलाई।

राशिद खान ने रचा इतिहास, टी20 इंटरनेशनल में 200 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बने

अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान ने 29 अक्टूबर को टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली। वह इस प्रारूप में 200 विकेट पूरे करने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए हैं। अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच शारजाह में खेले जा रहे तीन मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले में उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 221 रन बनाए। लक्ष्य का बचाव करने उतरी टीम के लिए राशिद ने पारी के नौवें ओवर की तीसरी गेंद पर तदिवानाशे मारुमानी को आउट किया और अपने 200 विकेट पूरे किए।राशिद खान ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि अपने 120वें टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में हासिल की। इस दौरान उनका गेंदबाजी औसत 13.99 रहा। टी20 इंटरनेशनल में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में राशिद अब शीर्ष पर 165-165 विकेट दर्ज हैं, जबकि न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउदी 164 विकेट लेकर इस सूची में शामिल हैं। राशिद की यह उपलब्धि उनकी निरंतरता और प्रभावशाली गेंदबाजी का प्रमाण है।इस मुकाबले में राशिद खान ने गेंद के साथ-साथ बल्ले से भी अहम योगदान दिया। अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने महज पांच रन के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिए थे।





हाइलो ओपन में सिंधू और लक्ष्य सेन की शानदार शुरुआत, उन्नति-ईशारानी और अनमोल भी जीतीं

जर्मनी में खेले जा रहे बीडब्ल्यूएफ हाइलो ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने बुधवार को शानदार प्रदर्शन किया। पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन ने अपने शुरुआती मुकाबले जीतकर दूसरे दौर में जगह बनाई। महिला एकल में दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधू ने संयुक्त अरब अमीरात की प्रकृति भरत को महज 28 मिनट में 21-10, 21-10 से शिकस्त दी। पिछले सप्ताह फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहीं सिंधू ने यहां भी अपनी लय बरकरार रखी। वहीं, सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए फिनलैंड के जोआकिम ओल्डोर्फ को 16-21, 21-9, 21-13 से हराया।पुरुष एकल में किरण जॉर्ज ने मलेशिया के चीम जून वेई को 21-18, 21-17 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। महिला एकल में उन्नति हुड्डा ने पहला गेम हारने के बावजूद चेक गणराज्य की टेरेजा स्वाबिकोवा को 17-21, 21-12, 21-11 से मात दी। ईशारानी बरुआ ने जर्मनी की मिरांडा विल्सन को 21-19, 21-9 से हराया, जबकि अनमोल खरब ने श्रीलंका की रनिथमा लियानागे को 21-18, 22-20 से शिकस्त दी। मालविका बंसोड़ ने भी हमवतन देविका सिहाग को 18-21, 21-10, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। इस तरह भारतीय एचएस प्रणय को फ्रांस के छठी वरीयता प्राप्त टोमा जूनियर पोपोव ने 23-21, 21-16 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पुरुष एकल में तरुण मन्नेपल्ली और शंकर सुब्रमण्यन को भी हार का सामना करना पड़ा। तरुण को चीनी ताइपे के ची यू जेन और शंकर को फिनलैंड के काले कोलजोनेन ने शिकस्त दी। आयुष शेट्टी चोट के कारण प्रतियोगिता शुरू होने से पहले ही हट गए। महिला एकल में अश्मिता चालिहा पहला गेम जीतने के बाद बुल्गारिया की कालोयाना नालबांतोवा से 18-21, 21-12, 21-8 से हार गईं। आकर्षी कश्यप को यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा ने 21-12, 21-18 से पराजित किया।

मनोरंजन

बॉडी शेमिंग से टूटा था हुमा कुरैशी का आत्मविश्वास, बोलीं निगेटिव कमेंट्स ने मुझे अंदर तक प्रभावित किया

मुंबई. बॉलीवुड अभिनेत्री ने अपने करियर के शुरुआती दिनों में झेली गई बॉडी शेमिंग और ऑनलाइन ट्रोलिंग को लेकर खुलकर बात की है. हुमा ने बताया कि फिल्मों में आने के बाद उनके लुक्स और शरीर को लेकर किए गए लगातार नकारात्मक कमेंट्स ने उनके आत्मविश्वास को गहरी चोट पहुंचाई थी. उन्होंने स्वीकार किया कि एक समय ऐसा भी आया जब वह लोगों से कटने लगी थीं और भीतर से काफी असुरक्षित महसूस करने लगी थीं।हुमा कुरैशी हाल ही में अभिनेत्री और अभिनेता के चैट शो ÷डबल डेट÷ में अपने भाई और अभिनेता के साथ पहुंचीं. इस दौरान उन्होंने अपने निजी जीवन, करियर और सोशल मीडिया पर मिलने वाली आलोचनाओं के बारे में भावुक होकर बात की।हुमा ने कहा कि अपनी दूसरी फिल्म के बाद उन्होंने इंटरनेट पर अपने लुक्स और शरीर को लेकर बड़ी संख्या में नकारात्मक टिप्पणियां पढ़नी शुरू कीं. इन टिप्पणियों का उन पर इतना असर पड़ा कि वह कुछ समय के लिए खुद में सिमट गई थीं. उन्होंने कहा कि जब लगातार लोगों द्वारा जज किया जाता है तो उसका असर आत्मविश्वास पर पड़ना स्वाभाविक है. अभिनेत्री ने माना कि उस दौर में वह मानसिक रूप से काफी प्रभावित हुई थीं.उन्होंने बताया कि धीरे-धीरे उन्हें यह समझ आया कि बाहरी शोर से खुद को अलग करना जरूरी है. इसके बाद उन्होंने खुद पर ध्यान देना शुरू किया. हुमा ने कहा कि उन्होंने मेडिटेशन करना शुरू किया, अपनी भावनाओं को लिखना शुरू किया, जर्नलिंग की और जरूरत पड़ने पर थेरेपी भी ली. इन सभी चीजों ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनने में मदद की।हुमा ने कहा कि समय के साथ उन्होंने खुद को स्वीकार करना सीखा और अब वह पहले से कहीं ज्यादा आत्मविश्वासी महसूस करती हैं. उन्होंने कहा कि आज वह अपने ऊपर बने मजाक को भी सहजता से ले सकती हैं और कई बार खुद भी अपने बारे में मजाक कर लेती हैं. अभिनेत्री के मुताबिक अब वह अपने शरीर और व्यक्तित्व को लेकर ज्यादा सहज और सकारात्मक महसूस करती हैं।उनकी इस बातचीत को सोशल मीडिया पर भी काफी समर्थन मिल रहा है. कई लोगों ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों को अक्सर उनके अभिनय से ज्यादा उनके शरीर और लुक्स के आधार पर जज किया जाता है. वहीं कई प्रशंसकों ने हुमा की ईमानदारी और साहस की सराहना की है.हुमा ने सिर्फ बॉलीवुड तक खुद को सीमित नहीं रखा बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बनाई. वर्ष 2021 इसी वर्ष वह राजनीतिक ड्रामा वेब सीरीज भी नजर आई, जिसने उन्हें नई पहचान दिलाई. इस सीरीज के कई सीजन आए और दर्शकों के साथ समीक्षकों ने भी उनके अभिनय की जमकर तारीफ की.



हाल ही में हुमा वेब सीरीज के तीसरे सीजन में नकारात्मक भूमिका में नजर आईं, जहां उनके अभिनय को फिर काफी सराहना मिली. आने वाले समय में वह निर्देशक की फिल्म में दिखाई देंगी. इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता अभिनेत्री और भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे.हुमा कुरैशी की यह बातचीत एक बार फिर यह दिखाती है कि ग्लैमर इंडस्ट्री की चमक-दमक के पीछे कलाकारों को किस तरह मानसिक दबाव और सामाजिक अपेक्षाओं का सामना करना पड़ता है. अभिनेत्री ने जिस तरह खुलकर अपनी असुरक्षाओं और संघर्षों के बारे में बात की, उसे कई लोग प्रेरणादायक मान रहे हैं.

क्या औरत का अपना कोई घर नहीं होता? 'अनुपमा' ने महिलाओं की पहचान और स्वतंत्रता पर बेहद ज़रूरी बातचीत कि की शुरुआत

मुम्बई, 'अपना घर' औरत के लिए सच में क्या मायने रखता है? औरत को अक्सर घर की धड़कन कहा जाता है वही जो अपने प्यार, देखभाल और अपनापन से एक मकान को घर बना देती है। लेकिन क्या वह घर सच में उसका होता है? क्या कोई ऐसी जगह है जिसे वह पूरी तरह अपना कह सके? स्टार प्लस का शो 'अनुपमा' बार बार उन मुद्दों पर बात करता है जो महिलाओं के दिल के बेहद करीब हैं। अब अपने नए 'अपना घर' ट्रैक के साथ यह शो पारिवारिक ड्रामे से आगे बढ़कर एक ऐसा सवाल उठाता है जो जितना भावनात्मक है उतना ही अहम÷ ÷हमारा अपना घर कौन सा है?÷यह ट्रैक उस पुरानी सोच को चुनौती देता है जिसमें औरतों से उम्मीद की जाती है कि वे सबके लिए घर बसाएँ, लेकिन उन्हें खुद अपना घर बनाने के लिए कभी मज़बूती से प्रोत्साहित नहीं किया जाता। 'अनुपमा' एक बार फिर मनोरंजन से कहीं आगे जाकर समाज में ज़रूरी बातचीत की शुरुआत करती है।इस ट्रैक पर अपनी राय रखते हुए रूपाली गांगुली उर्फ अनुपमा ने 'औरतों का अपना घर' पर एक महत्त्वपूर्ण सवाल उठाया। उन्होंने कहा ÷सालों तक अनुपमा ने परिवारों को जोड़कर रखने में अपनी लाखों औरतों ने कभी न कभी खुद से पूछा होगा, 'हमारा अपना घर कौन सा है?' मेरा मानना है कि हर औरत को वह आत्मविश्वास और सुरक्षा मिलनी चाहिए जो एक ऐसे स्पेस से आती है जिसे वह सच में अपना कह सके। हर औरत को अपना घर खुद बनाना चाहिए। अगर यह कहानी कुछ औरतों को अपने भविष्य, अपनी आर्थिक आज़ादी या अपने सपनों के बारे में अलग सोचने के लिए प्रेरित करती है, तो मुझे लगता है कि इसने मनोरंजन से कहीं आगे जाकर अपना मक़सद पूरा किया है।



दिशा पाटनी की पहली हॉलीवुड फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर जारी

दिशा पाटनी की पहली हॉलीवुड फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। फिल्म में दिशा पाटनी के साथ अनुभवी अभिनेता भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। ट्रेलर सामने आने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता काफी बढ़ गई है।

फिल्म की कहानी एक रहस्यमयी और अलौकिक दुनिया पर आधारित है, जहां दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष दिखाया गया है। ट्रेलर में दिशा पाटनी 'जेसिका' नाम की किरदार निभाती दिखाई दे रही हैं, जिसे ÷चुनी हुई÷ यानी वह विशेष पात्र बताया गया है जो दो विरोधी शक्तियों के बीच कड़ी का काम करती है। फिल्म में 'स्टेटीगार्ड्स' और 'होलीगार्ड्स' नाम के दो गुटों के बीच संघर्ष को केंद्र में रखा गया है।

बताया गया है कि यह फिल्म एक नए सिनेमाई ब्रह्मांड की शुरुआत है, जिसे निर्माता ने तैयार किया है। कहानी में जेसिका दोनों विरोधी पक्षों के नेताओं की बेटी



होती है और वही इस युद्ध के भविष्य का फैसला करने वाली सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बनती है। ट्रेलर में बड़े स्तर के दृश्य, रहस्य, एक्शन और फैंटेसी दुनिया की झलक देखने को मिल रही है।

दिशा पाटनी ने अपनी अंतरराष्ट्रीय शुरुआत को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि वह लंबे समय से इस फिल्म के ट्रेलर का इंतजार कर रही थीं। उन्होंने कहा कि पहली अंतरराष्ट्रीय फिल्म में काम करना उनके लिए रोमांचक होने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण अनुभव भी रहा। अभिनेत्री के अनुसार अलग-अलग देशों के कलाकारों के साथ काम करना उनके लिए सीखने जैसा था और इस अनुभव ने उन्हें अभिनय को नए नजरिए से समझने का मौका दिया।दिशा ने कहा कि कहानी कहने की कला भाषा और सीमाओं से कहीं आगे होती है। उनके मुताबिक पर्दे पर ईमानदारी सबसे महत्वपूर्ण होती है और यही चीज दुनिया भर के दर्शकों को जोड़ती है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें हमेशा से एक्शन आधारित भूमिकाएं पसंद रही हैं और भारतीय फिल्म उद्योग में जो अनुभव उन्होंने हासिल किया, उसे वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करना उनके लिए बेहद सशक्त महसूस कराने वाला अनुभव है।

फिल्म का ट्रेलर जारी होने के बाद सोशल मीडिया पर भी दिशा पाटनी की हॉलीवुड एंट्री को लेकर चर्चा तेज हो गई है। प्रशंसक इसे उनके करियर का बड़ा कदम मान रहे हैं। दिशा पाटनी पिछले कुछ वर्षों में कई बड़े हिंदी और दक्षिण भारतीय प्रोजेक्ट्स में नजर आ चुकी हैं

अबू धाबी में हिजाब पहनने पर ट्रोल हुईं अंकिता लोखंडे

मुंबई। टेलीविजन और फिल्म अभिनेत्री अंकिता लोखंडे इन दिनों अपने पति विक्की जैन के साथ अबू धाबी की यात्रा को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि यह चर्चा उनकी छुट्टियों या तस्वीरों से ज्यादा सोशल मीडिया पर शुरू हुए एक नए विवाद को लेकर हो रही है। दरअसल, अंकिता ने अपने अबू धाबी ट्रिप की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं, जिनमें वह कुछ स्थानों पर हिजाब पहने नजर आईं। तस्वीरें सामने आते ही सोशल मीडिया के एक वर्ग ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया। वहीं बड़ी संख्या में उनके प्रशंसक उनके समर्थन में उतर आए और ट्रोल करने वालों को करारा जवाब दिया।

अंकिता लोखंडे ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अबू धाबी यात्रा की कई तस्वीरें साझा की थीं। इन तस्वीरों में वह पति विक्की जैन के साथ विभिन्न पर्यटन स्थलों का आनंद लेती दिखाई दीं। कुछ तस्वीरों में उन्होंने हिजाब पहना हुआ था, जबकि अन्य तस्वीरों में वह सामान्य परिधान में नजर आईं। तस्वीरों के साथ अंकिता ने लिखा कि यह उनके कैमरा रोल से अबू धाबी की

कुछ खूबसूरत यादें हैं, जहां उन्होंने घूमने, हंसने और यादगार पल बिताने का आनंद लिया।

तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होते ही कुछ यूजर्स ने उनके हिजाब पहनने को लेकर सवाल उठाने शुरू कर दिए। कई लोगों ने पूछा कि उन्होंने हिजाब क्यों पहना है, जबकि कुछ लोगों ने उनकी धार्मिक पहचान को लेकर भी टिप्पणियां कीं। देखते ही देखते यह मुद्दा सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया और कमेंट सेक्शन में बहस छिड़ गई।हालांकि ट्रोलिंग शुरू होने के कुछ ही समय बाद अंकिता के प्रशंसक और समर्थक उनके बचाव में सामने आ गए। कई लोगों ने स्पष्ट किया कि अबू धाबी के कुछ धार्मिक स्थलों और मस्जिदों में प्रवेश के दौरान महिलाओं के लिए सिर ढंकना अनिवार्य होता है। ऐसे में अंकिता द्वारा हिजाब पहनना किसी धार्मिक प्रचार या विचारधारा का समर्थन नहीं, बल्कि स्थानीय नियमों और परंपराओं का सम्मान की आलोचना करते हुए कहा कि किसी व्यक्ति की निजी पसंद या यात्रा के दौरान अपनाए गए स्थानीय नियमों को विवाद का विषय बनाना गलत है।

कई यूजर्स ने टिप्पणी करते हुए कहा कि लोगों को दूसरों के निजी जीवन में अनावश्यक दखल

एक्सप्रेस-वे पर खड़ी टूरिस्ट बस से टकराई कार, पति-पत्नी और बच्ची की मौत, 2 बच्चे गंभीर

गुरुग्राम. हरियाणा के गुरुग्राम में गुरुवार तड़के एक भीषण सड़क हादसे में पति-पत्नी और उनकी बच्ची की मौत हो गई, जबकि कार में सवार दो अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसा दिल्ली-बड़ोदरा एक्सप्रेस-वे पर लोहटकी गांव के पास उस समय हुआ, जब तेज रफ्तार स्विफ्ट कार सड़क किनारे खड़ी टूरिस्ट बस से पीछे से टकरा गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया.

जानकारी के अनुसार, हादसा सुबह करीब तीन बजे हुआ. स्विफ्ट कार में कुल पांच लोग सवार थे. कार सड़क किनारे खड़ी टूरिस्ट बस के पिछले हिस्से से टकरा गई. टक्कर के बाद कार बुरी तरह पिचक गई और उसमें सवार लोग अंदर फंस गए. हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया.हादसे के बाद घटनास्थल के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं. इनमें कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाई दे रहा है. चालक अपनी सीट पर फंसा नजर आ रहा है, जबकि आसपास मौजूद लोग उसे बाहर निकालने की कोशिश करते दिख रहे हैं. अगली सीट पर चालक के बगल में बैठा बच्चा भी गंभीर हालत में दिखाई दिया. लोगों ने कार का बोनट काटकर बच्चे को बाहर निकाला.बताया जा रहा है कि परिवार राजस्थान में बाद दिल्ली लौट रहा था. इसी दौरान उनकी कार हादसे का शिकार हो गई. दुर्घटना में पति-पत्नी और बच्ची की जान चली गई, जबकि घायल दोनों बच्चों को पुलिस ने नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है.

राजकोट एयरपोर्ट के पास आग से मचा हड़कंप, 100 से ज्यादा यात्रियों वाली एअर इंडिया फ्लाइट वडोदरा डायवर्ट

राजकोट. गुजरात के हीरासर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रनवे के पास सूखी घास में आग लगने से हड़कंप मच गया. आग के कारण पूरे इलाके में धुएं का गुबार फैल गया और रनवे पर दृश्यता कम हो गई. सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दिल्ली से राजकोट आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट को वडोदरा डायवर्ट करना पड़ा. विमान में 100 से अधिक यात्री सवार थे. वडोदरा में सुरक्षित लैंडिंग के बाद यात्रियों ने राहत की सांस ली.

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, एयरपोर्ट पर पक्षियों को रनवे से दूर रखने के लिए पटाखे फोड़े जा रहे थे. इसी दौरान पटाखों की चिंगारी सूखी घास में जा गिरी, जिससे आग भड़क उठी. हालांकि, घटना के कारणों की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है.

हीरासर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पक्षियों को भगाने के लिए पटाखे फोड़ने के दौरान रनवे के पास सूखी घास में आग लग गई. आग तेजी से फैलने के साथ धुआं आसपास के क्षेत्र में छा गया. इससे रनवे पर विमानों की सुरक्षित लैंडिंग प्रभावित होने की आशंका पैदा हो गई.घटना की सूचना मिलते ही एयरपोर्ट की अग्निशमन टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया. धुएं के कारण दृश्यता प्रभावित होने से विमान संचालन में भी बाधा आई.दिल्ली से



राजकोट आ रही एअर इंडिया की सुबह की फ्लाइट निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 10ः25 बजे पहुंचने वाली थी. लेकिन रनवे पर धुआं फैलने के कारण एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने लैंडिंग की अनुमति नहीं दी.सुरक्षा कारणों से पायलट को विमान हवा में ही रोककर चार चक्कर लगाने पड़े. काफी देर तक इंतजार के बावजूद दृश्यता में सुधार नहीं होने पर विमान को वडोदरा की ओर मोड़ दिया गया. वहां विमान की सुरक्षित लैंडिंग कराई गई.विमान में सवार 100 से अधिक यात्रियों के लिए यह स्थिति असुविधाजनक रही, हालांकि सुरक्षित लैंडिंग के बाद सभी ने राहत महसूस की.

राजकोट पहुंचने में हुई देरी, फिर दिल्ली के लिए रवाना हुआ विमान

जानकारी के अनुसार, राजकोट एयरपोर्ट पर स्थिति सामान्य होने के बाद विमान वडोदरा से राजकोट के लिए रवाना हुआ और दोपहर 12ः20 बजे वहां पहुंचा. इसके बाद दोपहर 1ः11 बजे विमान राजकोट से दिल्ली के लिए रवाना हो सका.इस पूरे घटनाक्रम के कारण यात्रियों को कई घंटों की देरी का सामना करना पड़ा. विमान के डायवर्जन और बाद की उड़ान के समय में बदलाव से यात्रा कार्यक्रम भी प्रभावित हुआ.

घटना के बाद एयरपोर्ट पर पक्षियों को नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले तरीकों और रनवे के आसपास आग से बचाव की व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं. विमान संचालन के लिए रनवे पर पर्याप्त दृश्यता बनाए रखना बेहद जरूरी होता है. ऐसे में धुएं के कारण लैंडिंग रोकने की स्थिति सुरक्षा के लिहाज से महत्वपूर्ण है.फिलहाल, आग लगने के सटीक कारण और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं पर आधिकारिक जानकारी सामने आना बाकी है. जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि आग किन परिस्थितियों में लगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम

रांची में शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 5 लाख की साइबर ठगी

रांचा. झारखड का राजधानां रांची में शेयर ट्रेडिंग के जरिए मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर 5.09 लाख रुपये की कथित ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है. डोरंडा थाना क्षेत्र के हरिशंकर एंक्लेव के सामने स्थित चंदन भवन निवासी राजेश कुमार ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है. आरोप है कि निवेश पर भारी मुनाफे का भरोसा दिलाकर उनसे 5,00,900 रुपये ट्रांसफर कराए गए. बाद में रकम निकालने के लिए कथित मुनाफे पर 20 लाख रुपये टैक्स जमा करने की मांग की गई.

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि अतिरिक्त रकम देने से इनकार करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई. मामले में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है.

राजेश कुमार, पिता स्वर्गीय



देवेंदन मेहता, की शिकायत में संजय जयंती वाघेला, संदीप जैन और निखिल समेत कुछ अज्ञात लोगों को आरोपी बनाया गया है. शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने शेयर ट्रेडिंग में अधिक मुनाफा दिलाने का भरोसा देकर उन्हें निवेश के लिए तैयार किया.

शुरुआत में निवेश पर अच्छा रिटर्न मिलने का दावा किया गया. इसके बाद कथित मुनाफे का स्क्रीनशॉट भेजकर शिकायतकर्ता को और पैसे लगाने के लिए प्रेरित किया गया. हालांकि, आरोपियों की भूमिका और ठगी से जुड़े दावों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा.शिकायतकता क अनुसार, उन्होंने नेट बैंकिंग के माध्यम से 5,00,900 रुपये संजय जयंती वाघेला के बैंक खाते में ट्रांसफर किए थे. इसके बाद उन्हें निवेश पर मुनाफा होने का कथित स्क्रीनशॉट भेजा गया.इससे उन्हें रकम पर अधिक लाभ मिलने की उम्मीद हुई. आरोप है कि इसी आधार पर उनसे अतिरिक्त निवेश करने का दबाव बनाया जाने लगा.

राजेश कुमार का आरोप है कि जब उन्होंने अपनी निवेश की गई रकम और कथित मुनाफे को वापस निकालने की कोशिश की, तो उनसे 20 लाख रुपये टैक्स के रूप में जमा करने को कहा गया. इतनी बड़ी रकम की मांग पर उन्होंने भुगतान करने से इनकार कर दिया.

शिकायत में कहा गया है कि इसके बाद उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई.

IRCTC होटल घोटाला लालू यादव की याचिका पर हाईकोर्ट का नोटिस, 3 दिसंबर को अगली सुनवाई

नई दिल्ली.दिल्ली हाईकोर्ट ने आईआरसीटीसी होटल घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) प्रमुख लालू प्रसाद यादव की याचिका पर गुरुवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी किया. लालू यादव ने निचली अदालत के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उनके खिलाफ आरोप तय किए गए थे.

न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की एकल पीठ ने ईडी से जवाब मांगा है. साथ ही, अदालत ने लालू यादव को अगली सुनवाई तक निचली अदालत में स्थगन की मांग करने की स्वतंत्रता दी है. मामले की अगली सुनवाई 3 दिसंबर को होगी.

इस साल सितंबर में राऊज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों के



खिलाफ आरोप तय किए थे. अदालत ने प्रथमदृष्टया मनी लॉन्ड्रिंग का मामला बनना माना था. हालांकि, मामले में सात आरोपियों को बरी भी किया गया था.

यह मामला वर्ष 2004 से 2009 के बीच का है, जब लालू प्रसाद यादव केंद्र में रेल मंत्री थे. आरोप है कि उस दौरान भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के होटलों के संचालन और रखरखाव के ठेकों के आवंटन में अनियमितताएं हुई थीं.

ईडी के मुताबिक, निर्धारित नियमों का पालन किए बिना होटलों के रखरखाव के ठेके ऐसी निजी कंपनी को दिए गए, जिसके संबंध लालू यादव के करीबी सहयोगियों से बताए गए हैं. जांच एजेंसी का आरोप है कि इसके बदले उनके परिवार के सदस्यों और सहयोगियों से जुड़ी एक कंपनी के माध्यम से तीन एकड़ की प्रमुख जमीन हासिल की गई थी.

लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव ने सीबीआई के भ्रष्टाचार मामले में भी निचली अदालत के आरोप तय करने संबंधी आदेश को चुनौती दी है. इन याचिकाओं में भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी से जुड़े आरोपों को चुनौती दी गई है.

लालू प्रसाद यादव इन आरोपों से इनकार करते रहे हैं.

बिजनेस

एप्पल बुक पर बंपर ऑफर, सिर्फ 38,440 रुपये में खरीदने का मौका,सेल में भारी छूट

नई दिल्ली. प्रीमियम प्रोडट्स खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए बड़ी खुशखबरी है. इलेट्रॉनिस रिटेल चेन ने अपनी सेल का अंतिम चरण शुरू कर दिया है, जिसमें समेत कई लोकप्रिय डिवाइस पर आकर्षक ऑफर दिए जा रहे हैं. इस सेल की सबसे बड़ी खासियत (13 इंच) पर मिल रहा विशेष ऑफर है, जिसके तहत योग्य ग्राहकों के लिए इसकी प्रभावी कीमत घटकर महज 38,440 रुपये तक पहुंच सकती है.

मूल मूल्य 69,900 रुपये है, लेकिन विभिन्न छूटों, एक्सचेंज ऑफर और रिवॉर्ड लाभों को जोड़ने के बाद ग्राहकों को यह डिवाइस काफी कम कीमत में उपलब्ध कराया जा रहा है. कंपनी का दावा है कि विशेष रूप से स्टूडेंट्स और शिक्षकों को इस ऑफर का सबसे अधिक लाभ मिलेगा.

रिटेलर द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक इस ऑफर के तहत सबसे पहले स्टूडेंट्स और टीचर्स को विशेष शैक्षणिक मूल्य का लाभ दिया जा रहा है, जिससे की कीमत घटकर 62,211 रुपये रह जाती है. इसके बाद यदि ग्राहक अपना पुराना लैपटॉप या अन्य योग्य डिवाइस एक्सचेंज करते हैं तो उन्हें डिवाइस की स्थिति और मॉडल के आधार पर 12,500 रुपये तक का एक्सचेंज मूल्य मिल सकता है.इसके अतिरिक्त कंपनी 7,000 रुपये तक का एक्सचेंज बोनस भी प्रदान कर रही है. यानी पुराने डिवाइस की एक्सचेंज वैल्यू के अलावा अतिरिक्त बोनस का लाभ भी ग्राहकों को दिया जा रहा है. इतना ही नहीं, खरीदारी पर ग्राहकों को 4,271 रुपये तक के भी प्राप्त हो सकते हैं, जिनका उपयोग भविष्य की खरीदारी में किया जा सकता है.इन सभी लाभों को मिलाने के बाद की प्रभावी कीमत लगभग 38,440 रुपये तक पहुंच जाती है. हालांकि यह कीमत सभी लाभों के पूर्ण उपयोग और पात्रता शर्तों के आधार पर निर्धारित होती है. इसलिए वास्तविक बचत ग्राहक के एक्सचेंज किए जाने वाले डिवाइस, उसकी स्थिति और उपलब्ध ऑफर पर निर्भर करेगी.



इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को कुछ आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन करना होगा. सबसे पहले उन्हें स्टोर या कंपनी के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जाकर अपनी छात्र या शिक्षक पात्रता को सत्यापित कराना होगा. इसके बाद यदि वे किसी पुराने डिवाइस को एक्सचेंज करना चाहते हैं तो उसकी जांच और मूल्यांकन कराया जाएगा. एक्सचेंज मूल्य स्वीकृत होने के बाद ग्राहक अतिरिक्त एक्सचेंज बोनस का लाभ प्राप्त कर सकते हैं. अंत में निर्धारित भुगतान माध्यम से खरीदारी पूरी करने पर का लाभ भी मिल सकेगा.अलावा की इस सेल में कई अन्य उत्पादों पर भी कंपनी के अनुसार (16) को ऑफर के बाद लगभग 29,489 रुपये की प्रभावी कीमत पर खरीदा जा सकता है. वहीं की शुरुआती प्रभावी कीमत 55,490 रुपये बताई गई है.ऑडियो प्रोडक्ट्स की बात करें तो भी रियायती दरों पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं. प्रमोशनल अवधि के दौरान इनकी कीमत लगभग 22,491 रुपये से शुरू हो रही है. इसके अलावा 4 पर भी विशेष छूट और ऑफर उपलब्ध हैं, जिससे ग्राहक कम कीमत के लोकप्रिय वायरलेस ऑडियो उत्पाद खरीद सकते हैं.

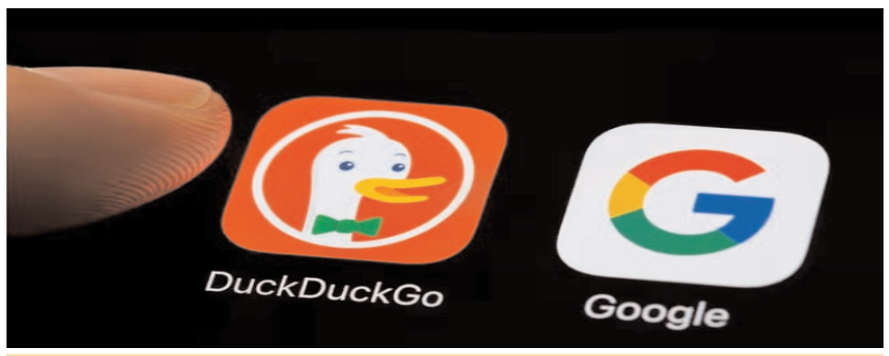
तकनीकी विशेषज्ञों का मानना है कि, श्रश्चद्यद्द उत्पादों पर इतनी बड़ी छूट सामान्य रूप से कम ही देखने को मिलती है. ऐसे में स्टूडेंट्स, शिक्षकों और उन ग्राहकों के लिए यह एक अच्छा अवसर हो सकता है, जो लंबे समय से या अन्य डिवाइस खरीदने की योजना बना रहे हैं. विशेष रूप से एक्सचेंज ऑफर और रिवॉर्ड लाभ इस डील को और अधिक आकर्षक बनाते हैं.हालांकि ग्राहकों को यह भी ध्यान रखना होगा कि सेल सीमित अवधि के लिए आयोजित की जा रही है और कुछ ऑफर चुनिंदा स्टोर्स तथा ऑनलाइन चैनलों पर ही उपलब्ध हैं. इसके अलावा एक्सचेंज वैल्यू और बोनस की अंतिम राशि डिवाइस की स्थिति तथा पात्रता मानदंडों के आधार पर अलग-अलग हो सकती है.ऐसे में यदि कोई ग्राहक या अन्य उत्पाद खरीदने की योजना बना रहा है, तो उसके लिए यह ऑफर बड़ी बचत का अवसर साबित हो सकता है. विशेष रूप से शिक्षा क्षेत्र से जुड़े ग्राहकों के लिए यह सेल प्रीमियम श्रश्चद्यद्द डिवाइस को अपेक्षाकृत कम कीमत पर खरीदने का सुनहरा मौका लेकर आई है.

गूगल सर्च में जबरन थोपे जा रहे एआई फीचर्स से भड़के यूजर्स

अब प्राइवेसी के सुपरहीरो डकडकगो को बना रहे अपना नया सहारा

इंटरनेट की दुनिया के बेताज बादशाह गूगल के लिए इन दिनों एक नई और बेहद गंभीर चुनौती खड़ी होती दिख रही है. पिछले कुछ समय से गूगल द्वारा अपने सर्च इंजन प्लैटफॉर्म में लगातार जोड़े जा रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई फीचर्स अब दुनिया भर के लाखों यूजर्स के लिए गले की हड्डी बन चुके हैं. तकनीक को आसान बनाने के नाम पर शुरू किया गया एआई सर्च का यह सफर अब आम उपभोक्ताओं को इस कदर परेशान करने लगा है कि उन्होंने गूगल को अलविदा कहना शुरू कर दिया है. इस पूरी नाराजगी का सीधा और बड़ा फायदा प्राइवेसी-फोकस्ड सर्च इंजन डकडकगो को मिलता दिखाई दे रहा है, जो बिना एआई वाले पुराने, सीधे और भरोसेमंद सर्च अनुभव की तलाश कर रहे लोगों के लिए एक सुरक्षित ठिकाने के रूप में उभरा है. हाल ही में सामने आए वैश्विक आंकड़ों और तकनीकी रिपोर्टों ने इस बात की पुष्टि की है कि गूगल के नए एआई अपडेट्स के बाद से डकडकगो के मोबाइल ऐप डाउनलोड और वेबसाइट ट्रैफिक में अचानक एक अप्रत्याशित और खौफनाक उछाल दर्ज किया गया है जिसने सिलिकॉन वैली के दिग्गजों को सोचने पर मजबूर कर दिया है.

इस बड़े तकनीकी बदलाव की शुरुआत हाल ही में संपन्न हुए गूगल आई/ओ इवेंट के बाद से और तेज हो गई है. रिपोर्ट के मुताबिक जैसे ही गूगल ने सर्च के



असली वेबसाइट्स के लिंक बहुत नीचे चले जाते हैं

यूजर्स के इस तरह गूगल से दूर भागने और डकडकगो को अपनाने के पीछे कई व्यावहारिक और मनोवैज्ञानिक कारण काम कर रहे हैं. बड़ी संख्या में इंटरनेट उपभोक्ताओं का मानना है कि गूगल के एआई-आधारित सर्च रिजल्ट्स कई बार जरूरत से ज्यादा गैर-जरूरी जानकारी स्क्रीन पर परोस देते हैं, जिससे असली वेबसाइट्स के लिंक बहुत नीचे चले जाते हैं और मूल सामग्री तक पहुंचने का रास्ता बेहद जटिल हो जाता है. सबसे बड़ी नाराजगी इस बात को लेकर है कि ये एआई फीचर्स अब यूजर्स पर एक तरह से जबरदस्ती थोपे जा रहे हैं और सबसे मजेदार बात यह है कि गूगल के पास इस एआई ओवरव्यू को पूरी तरह से बंद करने का कोई आसान या सीधा विकल्प भी मौजूद नहीं है. इसी मजबूरी और खीझ को डकडकगो ने अपनी सबसे बड़ी ताकत बना लिया है. डकडकगो कंपनी ने इस मुद्दे को भांपते हुए वैश्विक स्तर पर यह अभियान शुरू कर दिया है कि उनके प्लैटफॉर्म पर अंतिम नियंत्रण हमेशा यूजर के हाथ में रहेगा, यानी यदि कोई व्यक्ति पूरी तरह से एआई-मुक्त इंटरनेट का अनुभव चाहता है, तो उसे एक क्लिक में वह विकल्प आसानी से मिल जाता है.

क्षेत्र में बड़े एआई ऐलानों को जमीन पर उतारा, वैसे ही अमेरिका समेत दुनिया के कई बड़े बाजारों में डकडकगो मोबाइल ऐप के इंस्टॉलेशन में औसतन अठारह प्रतिशत से ज्यादा की साप्ताहिक बढ़ोतरी देखने को मिली. इस पूरे बदलाव में सबसे दिलचस्प बात यह रही कि आईफोन यानी आईओएस यूजर्स के बीच डकडकगो को लेकर एक अलग ही दीवानगी देखी गई, जहां कुछ ही दिनों के भीतर ऐप डाउनलोड की संख्या में लगभग सत्तर प्रतिशत तक की भारी ग्रोथ दर्ज की गई. यह आंकड़े केवल एक संयोग नहीं हैं बल्कि इस बात का साफ और सीधा संकेत हैं कि इंटरनेट पर आज भी एक बहुत बड़ा वर्ग ऐसा मौजूद है जो मशीनी दिमाग द्वारा तैयार किए गए पैराग्राफों की बजाय सामान्य, प्रामाणिक और पारंपरिक सर्च रिजल्ट्स देखना ज्यादा पसंद करता है. इसके साथ ही डकडकगो के उस खास लैंडिंग पेज पर भी ट्रैफिक तेजी से बढ़ा है जहां यूजर्स को बिना किसी एआई दखल के सीधे तौर पर सर्च करने की आजादी मिलती है.

इस पूरे मामले में केवल एआई का बढ़ता दखल ही एकमात्र वजह नहीं है, बल्कि ऑनलाइन प्राइवेसी यानी गोपनीयता को लेकर बढ़ती चिंता भी एक बहुत बड़ा फैक्टर बनकर उभरी है. डकडकगो को तकनीकी जगत में पहले से ही एक बेहद सुरक्षित और गोपनीयता-केंद्रित सर्च इंजन के तौर पर पहचाना जाता रहा है. कंपनी का यह सख्त और पुराना दावा है कि वह अपने किसी भी यूजर की सर्च हिस्ट्री को कभी भी स्टोर नहीं करती और न ही उनके समय में जब टेक कंपनियों द्वारा डेटा चोरी करने और एआई को सिखाने के नाम पर लोगों की निजी जानकारियों का सौदा करने की खबरें लगातार आ रही हैं,

एआई को पूरी तरह से खारिज नहीं किया

हालांकि इस पूरे घटनाक्रम का एक और दिलचस्प पहलू यह भी है कि डकडकगो खुद को आधुनिक तकनीक से पूरी तरह दूर नहीं रख रहा है और उसने एआई को पूरी तरह से खारिज नहीं किया है. डकडकगो के पास भी सर्च असिस्ट और डक डॉट एआई जैसे अपने खुद के बेहतरीन एआई आधारित टूल मौजूद हैं, लेकिन गूगल और डकडकगो के बीच का बुनियादी फर्क सिर्फ इतना है कि डकडकगो ने इन फीचर्स को पूरी तरह से वैकल्पिक यानी ऑप्शनल रखा है. कंपनी ने हाल ही में कुछ ऐसे शानदार फीचर्स भी लॉन्च किए हैं जो सर्च रिजल्ट्स के पन्नों से एआई द्वारा जनरेट की गई फर्जी तस्वीरों को फिल्टर करके पूरी तरह से गायब कर सकते हैं. इसका सीधा मतलब यह हुआ कि यूजर के पास यह तय करने का पूरा अधिकार और कंट्रोल होता है कि वह इंटरनेट को किस तरीके से और किस हद तक इस्तेमाल करना चाहता है. यह नियंत्रण ही आज के इंटरनेट यूजर की सबसे बड़ी मांग बन चुका है.डकडकगो की इस बढ़ती लोकप्रियता ने पूरी दुनिया में एआई सर्च के खिलाफ एक नई और गंभीर बहस को जन्म दे दिया है. वर्तमान में भले चुका हो और गूगल, माइक्रोसॉफ्ट जैसी ट्रिलियन-डॉलर कंपनियां अपने हर एक प्लैटफॉर्म में जबरन एआई को फिट करने की होड़ में लगी हों,

स्वामी, प्रकाशक एव मुद्रक श्रीमती ज्योति मिश्रा द्वारा काम्पेक प्रिंटर्स प्रा.लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45 ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान संपादक-आशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं-0731-4202569 फैक्स नं-0731-4202569